

दिल्ली में बम की धमकी नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) देश की राजधानी दिल्ली में गुरुवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब दिल्ली विधानसभा, सचिवालय और कुछ स्कूलों को बम से उड़ाने वाला एक धमकी भरा ईमेल मिला। इसके बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां चपे-चपे की तलाशी में जुट गईं। हालांकि इससे पहले भी विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है।

दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी

सम्पादक: अमृतपाल सिंह

DAILY BHARAT DESH HAMARA NEW DELHI

आरएनआई नं. 57282/1994

वर्ष 31

अंक 98

नई दिल्ली शुकवार 10 अप्रैल, 2026

मूल्य एक रुपया

कुल पृष्ठ: 8

फोन 97111 01161

ईमेल: bharatdeshdelhi@gmail.com

बंगाल की जनता कुशासन को हराकर सुशासन लाएगी-पीएम

बीरभूम रैली में लोगों से भाजपा को मौका देने की अपील

कोलकाता 9 अप्रैल (निस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को जोर दिया कि पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन अपरिहार्य है क्योंकि तृणमूल कांग्रेस के पाप का घड़ा भर गया है। उन्होंने राज्य के आर्थिक पतन का उल्लेख करते हुए कहा, राष्ट्रीय जेडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) में बंगाल का योगदान पहले के 12 प्रतिशत से घटकर मात्र पांच प्रतिशत रह गया है। प्रधानमंत्री ने कहा, बंगाल में सत्ता परिवर्तन अब अपरिहार्य है और बंगाल की जनता यही चाहती है। तृणमूल के पाप का घड़ा भर चुका है। आसनसोल पर सिंडिकेट राज, कोयला और रेत माफिया का राज है। उन्होंने दावा किया कि सत्ता परिवर्तन के बाद पश्चिम बंगाल नयी



ऊंचाइयों को छुएगा। मोदी ने कहा, कभी समृद्ध औद्योगिक क्षेत्र रहे आसनसोल से निवेश खत्म हो चुका है। केवल भाजपा की %बल इंजन सरकार ही इसे सुधार सकती है। मोदी ने कहा कि केंद्र ने आसनसोल में उद्योगों के पुनरुद्धार के लिए 45,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया, तृणमूल

ने बंगाल पर क्रूरता की है, जबकि भाजपा ने सत्ताधारी दल द्वारा खड़ी की गई बाधाओं के बावजूद आसनसोल का विकास किया। मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि आसनसोल और दुर्गापुर दोनों में मेगासिटी बनने की क्षमता है, और आशासन दिया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार उस विकास को साकार करेगी। उन्होंने दावा किया कि एफिड अटैक मामलों में बंगाल सबसे आगे है। मोदी ने कहा, तृणमूल महिलाओं को प्रताड़ित करने वालों के साथ खड़ी है। केवल भाजपा ही महिलाओं की सुरक्षा शेष अंतिम पृष्ठ पर

सीआरपीएफ शौर्य दिवस पर राहुल का वायदा सरकार में आए तो जवानों को मिलेगा पूरा हक

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (निस) केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के शौर्य दिवस के अवसर पर कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो मौजूद भेदभावपूर्ण व्यवस्था को समाप्त करेगी और जवानों को उनका पूरा अधिकार दिलाया जाएगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए अपने संदेश में राहुल गांधी ने सीआरपीएफ के शौर्य दिवस पर जवानों की वीरता और बलिदान को सलाम किया। उन्होंने लिखा कि सीएपीएफ के जवान देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाते हैं, चाहे सीमाओं की रक्षा हो, आतंकवाद और नक्सलवाद से मुकाबला या फिर चुनाव जैसे लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना। राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में सीएपीएफ के भीतर प्रमोशन और नेतृत्व से जुड़े मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि वर्षों की सेवा और समर्पण



के बावजूद जवानों को समय पर पदोन्नति नहीं मिलती और उन्हें अपने ही बलों में शीर्ष नेतृत्व के अवसर से वंचित रखा जाता है। उनके अनुसार, पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के बहादुर जवानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने देश की रक्षा में उनके अदम्य साहस और बलिदान को याद कर 1965 के कच्छ के रण में 'सरदार पोस्ट' की ऐतिहासिक लड़ाई को याद किया। 9 अप्रैल 1965 को, कच्छ के सुनसान रण में करीब 150 सीआरपीएफ जवान पाकिस्तान की 3500 सैनिकों वाली इंफैंट्री ब्रिगेड के हमले का सामना कर रहे थे। संख्या में कम होने के बावजूद, जवान चट्टान की तरह डटे रहे।

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, सशस्त्र सीमा बल, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड और असम राइफल्स शामिल हैं। ये सभी बल गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करते हैं और देश की आंतरिक व सीमा सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालते हैं। सीआरपीएफ 'शौर्य दिवस पर अमित शाह और डीजी ने किया उन वीर जवानों को याद -केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को सीआरपीएफ 'शौर्य दिवस' के मौके पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के बहादुर जवानों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने देश की रक्षा में उनके अदम्य साहस और बलिदान को याद कर 1965 के कच्छ के रण में 'सरदार पोस्ट' की ऐतिहासिक लड़ाई को याद किया। 9 अप्रैल 1965 को, कच्छ के सुनसान रण में करीब 150 सीआरपीएफ जवान पाकिस्तान की 3500 सैनिकों वाली इंफैंट्री ब्रिगेड के हमले का सामना कर रहे थे। संख्या में कम होने के बावजूद, जवान चट्टान की तरह डटे रहे।

विकसित भारत के लक्ष्य में युवाओं की अहम भूमिका सबसे अहम-ओमबिरला

पणजी, गोवा, 9 अप्रैल (निस) लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज विधि निर्माताओं से कहा कि वे अपने व्यक्तिगत और राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर पूरी ईमानदारी के साथ जनता की उम्मीदों और आकांक्षाओं पर खरा उतरें। उन्होंने कहा कि चुने हुए प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है कि वे जनता की अपेक्षाओं को पूरा करें, लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाएं और पारदर्शी, समावेशी तथा जवाबदेह शासन सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए दूरदर्शिता, समर्पण और जन कल्याण के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता आवश्यक है। ये गुण एक विकसित, न्यायपूर्ण और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए जरूरी हैं। श्री बिरला ने ये बातें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ, भारत क्षेत्र, जोन-सात के प्रथम सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान कहा। युवा विधि निर्माताओं की भूमिका पर बोलते हुए, श्री बिरला ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में युवाओं की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि भविष्य के नेताओं के रूप में युवाओं को नई नीतियां बनाने, सभी वर्गों के विकास को आगे बढ़ाने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं की ऊर्जा, नई सोच और जन सेवा के प्रति समर्पण देश को समृद्ध, आत्मनिर्भर और न्यायपूर्ण बना सकता है।

केरल में 75 प्रतिशत से अधिक मतदान, असम में रिकार्ड 80 प्रतिशत से अधिक वोट, पांडिचेरी में भी मतदान सम्पन्न

कोच्चि 9 अप्रैल (निस) असम, केरल एवं पांडिचेरी के विधानसभा चुनाव के लिए आज मतदान शांति पूर्वक संपन्न हो गया। मिली रिपोर्ट के अनुसार केरल में करीब 75 प्रतिशत जबकि असम व पांडिचेरी में करीब 62 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया जबकि आधिकारिक आँकड़े अभी तक नहीं मिले।



सुविधा प्रदान की है तथा उनके लिए वाहन सुविधा उपलब्ध करने की व्यवस्था भी की गयी है। राज्य की 126 सीटों के लिए कुल 890 उम्मीदवार चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। राज्य में 30,471 मतदान केंद्र बनाये गये।

इससे पहले मिली रिपोर्ट के अनुसार - असम, केरल और केन्द्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में आज एक चरण में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान जारी है। सुबह 11 बजे तक प्राप्त आँकड़ों के अनुसार असम में सबसे अधिक मतदान हुआ है, जहाँ 38.92 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मतधिकार का प्रयोग किया। पुडुचेरी में 37 प्रतिशत से अधिक और केरल

समाज में सत्यम, शिवम, सुंदरम की स्थापना करना ही संघ का लक्ष्य-भागवत

नागपुर 9 अप्रैल (निस) महाराष्ट्र के नागपुर में रेशीमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में नागपुर महानगर के घोष पथक के इतिहास पर आधारित 'राष्ट्र स्वरचना' नामक हस्तलिखित ग्रंथ के लोकार्पण मौके पर सरसंघचालक डॉ.मोहन भागवत ने कहा कि संघ के घोषदल में विभिन्न वाद्य यंत्र होते हैं, जिनके स्वर और ध्वनि अलग-अलग होते हुए भी स्वयंसेवक एक ही ताल पर चलते हैं। इससे समन्वय और एकता की भावना विकसित होती है। जब कोई कार्य मन और पूरी निष्ठा के साथ होता है, तब उसका परिणाम इसी रूप में प्रकट होता है और सत्यम-शिवम-सुंदरम का अनुभव होता है। समाज और राष्ट्र में सत्यम, शिवम और सुंदरम की स्थापना करना ही संघ का उद्देश्य है। इस मौके पर विदर्भ प्रांत संघचालक दीपक तामशेट्टीवार, सह संघचालक श्रीधरजी गाडगे, महानगर संघचालक आदि मौजूद रहे।

केजरीवाल की याचिका का सीबीआई द्वारा विरोध, कहा-संबंधित जजों की कोई सियासी भूमिका नहीं

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (निस) कथित शराब घोड़े में ट्रायल कोर्ट के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती देने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जस्टिस स्वर्ण कंठा शर्मा की बेंच से केस ट्रांसफर कराना चाहते हैं। इस मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और चार अन्य ने याचिका दायर की थी। इसके जवाब में केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने हलफनामा दाखिल कर याचिका का विरोध किया। सीबीआई ने अपने हलफनामे में जस्टिस शर्मा पर लगे आरोपों का खंडन किया कि वे वैचारिक रूप से अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद (एबीएपी) से जुड़ी हैं, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की कानूनी शाखा है। सीबीआई ने कहा कि एबीएपी के सेमिनार में भाग लेना

ममता घुसपैठियों की पोषक लेकिन भाजपा को बंगाल की जनता की चिंता-नितिन नबीन

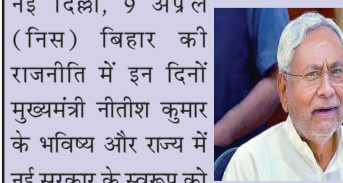
कोलकाता 9 अप्रैल (निस) : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय रखते हुए विपक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों से लेकर नेताओं की बयानबाजी तक पर बेबाक टिप्पणी की है। एक विशेष बातचीत के दौरान, नबीन ने पश्चिम बंगाल को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए



उपेक्षित रखा गया है। नबीन ने स्पष्ट किया कि अब बंगाल की जनता की असली चिंता भारतीय जनता पार्टी ही करेगी। तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव की लहर है और भाजपा वहां बेहद मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन्होंने के. अन्नमलाई की नाराजगी को खबरों को सिर से खारिज करते हुए कहा कि वे पूरी तरह सक्रिय हैं और चुनाव प्रचार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। नितिन नबीन ने राजनीति में भाषा की मर्यादा का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस पर

नीतीश आज रास सदस्य के तौर पर शपथ लेंगे, नए सीएम को लेकर सस्पेंस

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (निस) बिहार की राजनीति में इन दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भविष्य और राज्य में नई सरकार के स्वरूप को लेकर गहन चर्चा चल रही है। नीतीश कुमार के दिल्ली पहुंचकर शुकवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के साथ ही यह अटकलें तेज हो गई हैं कि वे मुख्यमंत्री के पद से कब इस्तीफा देंगे और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की नई सरकार कब तक आकार लेगी? अब इस संबंध में संभावित तारीखें लगभग



फाइनल हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जेडीयू नेता विजय चौधरी पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि नई सरकार का नेतृत्व लेकर गहन चर्चा चल रही है। नीतीश कुमार के दिल्ली पहुंचकर शुकवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने के साथ ही यह अटकलें तेज हो गई हैं कि वे मुख्यमंत्री के पद से कब इस्तीफा देंगे और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की नई सरकार कब तक आकार लेगी? अब इस संबंध में संभावित तारीखें लगभग

युद्धविराम के एक दिन बाद ही संकट के बादल, इजराइल ने लेबनान पर किए हमले, ईरान ने कहा-प्रस्तावों का उल्लंघन

इजराइल का दावा-लेबनान युद्धविराम का हिस्सा नहीं, कहा-पाकिस्तान खुद आतंकी देश उसकी मध्यस्थता नामंजूर

तेल अवीव 9 अप्रैल (निस) पश्चिम एशिया में इजराइल और लेबनान के बीच जारी संघर्ष अब बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। बुधवार को लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आँकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में इजराइली हमलों में 254 लोगों की मौत हो गई, जबकि 700 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उधर, एसोसिएटेड प्रेस ने ईरानी सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि ईरान ने लेबनान पर इस्त्राइली हमलों के जवाब में होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है। अस्पतालों पर भारी दबाव, व्यवस्था चरमराई-लेबनान के स्वास्थ्य मंत्री के मुताबिक, देश के अस्पताल घायलों से भर चुके हैं और चिकित्सा व्यवस्था

दूटने की कगार पर है। लगातार हमलों के कारण राहत और इलाज की व्यवस्था पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। अमेरिका का साफ बयान—'सीजफायर में लेबनान शामिल नहीं' व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने स्पष्ट किया कि अमेरिका और ईरान के बीच हुए संघर्ष विराम समझौते का लेबनान से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि लेबनान में जारी सैन्य कार्रवाई इस समझौते के दायरे से बाहर है। ईरान की चेतावनी—सीजफायर से पीछे हट सकते हैं—ईरान की न्यूज एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, अगर लेबनान पर इजरायली हमले नहीं रुके, तो ईरान मौजूदा युद्धविराम समझौते



को पीछे हट सकता है। यह संकेत देता है कि आने वाले दिनों में संघर्ष और व्यापक हो सकता है। सीजफायर के बीच नेतन्याहू का ऐलान: समझौता करें या युद्ध, इजराइल हर हाल में पूरा करेगा

हो या फिर दोबारा युद्ध शुरू करके। नेतन्याहू ने देश के लोगों की हिम्मत और सेना की बहादुरी की सराहना करते हुए कहा कि इस संघर्ष में इजराइल ने बड़ी जीत हासिल की है। उन्होंने दावा किया कि ईरान अब पहले से कहीं ज्यादा कमजोर हो गया है, जबकि इजराइल पहले से ज्यादा मजबूत स्थिति में है। उन्होंने उन सैनिकों और नागरिकों को भी श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने इस संघर्ष में अपनी जान गंवाई। साथ ही, घायल लोगों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इस बयान के बीच जमीनी हालात अब भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। इजराइल डिफेंस फोर्स ने दावा किया है कि शेष अंतिम पृष्ठ पर

आनलाइन माध्यम से उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की... सैनी ने समाधान शिविरों की औचक समीक्षा कर अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए

चंडीगढ़, 9 अप्रैल (अमृतपाल सिंह) हरियाणा के मुख्यमंत्री ने वीरवार को ऑनलाइन माध्यम से सभी जिलों से एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक कर प्रदेशभर में संचालित समाधान शिविरों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जिलों से जुड़े नागरिकों की शिकायतें सीधे सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। प्रदेश के सभी जिलों में प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को उपयुक्त तथा उपमंडल अधिकारी कार्यालयों में समाधान शिविर आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों में नागरिक अपनी समस्याएं प्रस्तुत करते हैं। जिन शिकायतों का समाधान मौके पर संभव होता है, उनका तत्काल निपटारा किया जाता है, जबकि शेष मामलों का समाधान 7 से 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाता है। गौरतलब है



कि 10 जून 2024 से आरंभ हुए इस अभियान के अंतर्गत अब तक प्रदेशभर में लगभग डेढ़ लाख शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से लगभग 78 प्रतिशत शिकायतों का सफलतापूर्वक समाधान किया जा चुका है। आज की बैठक में मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन माध्यम से विभिन्न जिलों के नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र

निस्तारण किया जाए। साथ ही, उन्होंने वर्ष 2024, 2025 और 2026 के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा करते हुए सभी शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। बैठक के दौरान कुछ जिलों में अधिकारियों की अनुपस्थिति पर मुख्यमंत्री ने कड़ा संज्ञान लिया। जिला महेंद्रगढ़ और एसडीएम कार्यालय बादशाहपुर में संबंधित अधिकारियों की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने सभी उपयुक्तों और एसडीएम को निर्देश दिए कि वे समाधान शिविरों में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहें और नागरिकों की समस्याओं को सुनें। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाधान शिविरों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक प्रत्येक शुकवार को आयोजित की जाती है, जिसकी अध्यक्षता संबंधित उपायुक्त द्वारा की जानी चाहिए। जो अधिकारी नियमित रूप से समीक्षा बैठकों में अनुपस्थित रहे हैं, ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अधिकारी स्वयं बैठकों की अध्यक्षता करें और लंबित शिकायतों के समाधान की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण गुप्ता, महिला एवं बाल विकास विभाग की निदेशक श्रीमती प्रियंका सोनी, ओएसडी श्री बी.बी. भारती, श्री विवेक सहित अन्य अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे।

ममता घुसपैठियों की पोषक लेकिन भाजपा को बंगाल की जनता की चिंता-नितिन नबीन

कोलकाता 9 अप्रैल (निस) : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय रखते हुए विपक्ष के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों से लेकर नेताओं की बयानबाजी तक पर बेबाक टिप्पणी की है। एक विशेष बातचीत के दौरान, नबीन ने पश्चिम बंगाल को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि राज्य में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए



उपेक्षित रखा गया है। नबीन ने स्पष्ट किया कि अब बंगाल की जनता की असली चिंता भारतीय जनता पार्टी ही करेगी। तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव की लहर है और भाजपा वहां बेहद मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन्होंने के. अन्नमलाई की नाराजगी को खबरों को सिर से खारिज करते हुए कहा कि वे पूरी तरह सक्रिय हैं और चुनाव प्रचार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। नितिन नबीन ने राजनीति में भाषा की मर्यादा का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस पर

उपेक्षित रखा गया है। नबीन ने स्पष्ट किया कि अब बंगाल की जनता की असली चिंता भारतीय जनता पार्टी ही करेगी। तमिलनाडु की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव की लहर है और भाजपा वहां बेहद मजबूत स्थिति में है। इसके साथ ही उन्होंने के. अन्नमलाई की नाराजगी को खबरों को सिर से खारिज करते हुए कहा कि वे पूरी तरह सक्रिय हैं और चुनाव प्रचार में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। नितिन नबीन ने राजनीति में भाषा की मर्यादा का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस पर

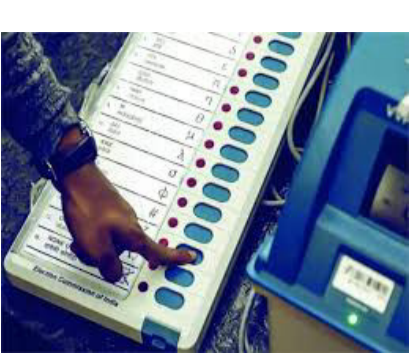
सम्पादकीय

शर्तों के साथ ईरान और अमेरिका के बीच 15 दिन का सीज फायर

ईरान और अमेरिका के बीच दो सप्ताह के लिए युद्ध विराम के लिए सहमति बन गई है। अमेरिका की ओर से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसका ऐलान किया। ईरान ने भी अधिकृत रूप से इसकी घोषणा की। सीज फायर के बाद हमले तत्काल रूप से बंद हो गए हैं। ईरान ने इसके लिए अधिकृत रूप से आदेश जारी किए हैं। युद्ध विराम को लेकर 10 शर्तों के साथ ईरान ने प्रस्ताव पेश किया है। चीन द्वारा दोनों पक्षों को समझास दिए जाने के बाद 15 दिन के लिए युद्ध विराम घोषित किया गया है। इसकी घोषणा होते ही, इसके सकारात्मक परिणाम भारत सहित दुनिया के सभी देशों में देखने को मिले हैं। एक नई आशा की किरण जागी है। दोनों पक्ष गंभीरता के साथ विचार करके स्थाई रूप से युद्ध रोकने और शांति के लिए प्रयास करेंगे। इसके लिए दोनों पक्षों का एक मंच पर आना जरूरी था। पाकिस्तान ने तीनों पक्षों के बीच बातचीत के ?लिये जो प्रयास किया, वह सार्थक हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा इस फैसले में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख असीम मुनीर का उल्लेख किया। डोनाल्ड ट्रंप ने यह उल्लेख किया है, ईरान को स्टेट आफ हार्मोज को फिर से खोलना होगा। डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया, अमेरिका ने अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। अमेरिका अब तेहरान के साथ निर्णायक फैसले की स्थिति में आ गया है। अब जो भी समझौता होगा वह दीर्घकालिक शांति के लिए होगा। ईरान की ओर से शीर्ष अधिकारी बातचीत करने के लिए पा?किस्तान आएंगे। अमेरिका के उपराष्ट्रपति इस बातचीत में शामिल होंगे। इस फैसले के आते ही सारी दुनिया के देशों ने राहत की सांस ली है। ऊर्जा संबंधी संकटों और युद्ध को लेकर जो स्थिति बनी हुई थी। उससे सारी दुनिया को अस्थायी रूप से राहत मिली है। भारत में इसका बड़ा असर देखने को मिला। शेयर बाजार ने 2800 अंकों की छलांग लगाई। कच्चे तेल के दाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी के साथ गिरे। इस युद्ध में अमेरिका द्वारा ईरान को खत्म करने की जो धमकी दी जा रही थी, चीन, रूस और उत्तर कोरिया के इस युद्ध में शांति मिले होने की संभावना बन गई थी। पिछले एक साल से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से टैरिफ को लेकर दबाव बना रहे थे। वेनेजुएला के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को उठाकर अमेरिका में बंधक बनाया गया। इसके तुरंत बाद ईरान पर हमला किया गया। इससे सारी दुनिया के देश अमेरिका से नाराज थे। अमेरिका के अंदर डोनाल्ड ट्रंप का विरोध शुरू हो गया है। अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कांग्रेस की मंजूरी लिए बिना जिस तरह से ईरान पर हमला किया था। अमेरिकी कानून के अनुसार केवल 45 दिन तक वह इस तरह की कार्रवाई राष्ट्रपति कर सकते थे। इसके पहले उन्हें संसद की अनुमति लेना अनिवार्य था। इन सारी परिस्थितियों को देखते हुए डोनाल्ड ट्रंप के पास अन्य कोई विकल्प नहीं था। एक महीने से अधिक युद्ध चलते हुए हो गए थे। युद्ध में ईरान के साथ-साथ इजराइल को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जिन खाड़ी के देशों में अमेरिका के सैन्य अड्डे थे, ईरान ने लगभग सभी में ध्वस्त कर ?दिये हैं। अमेरिका की जो साख दुनिया में बनी हुई थी, इस युद्ध में वह लगभग खत्म हो गई है। ऐसी स्थिति में डोनाल्ड ट्रंप जल्द से जल्द युद्ध से बाहर निकलना चाहते थे। इसमें पाकिस्तान ने पहल की। चीन ने अपनी सामरिक और आर्थिक शक्ति का एहसास कराकर अमेरिका और ईरान दोनों को एक मंच पर लाने का जो काम किया है। युद्ध ?विराम से सारे विश्व को राहत मिली है। अमेरिका और ईरान के इस युद्ध में सबसे ज्यादा भूमिका इजरायल की थी। ग्रेटर इजरायल की परिकल्पना पर काम कर रहे इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और मोसाद द्वारा जो अमेरिका को जो जानकारी दी गई थी, वह सही नहीं थी। अति उत्साह में डोनाल्ड ट्रंप इस युद्ध में कूद गए। जिसके कारण अब उन्हें राष्ट्रपति पद को बचा पाना मुश्किल दिख रहा है। इसके अलावा अमेरिका में नवंबर माह में जो चुनाव होने हैं। उसको लेकर उन्हें अपनी पार्टी से चुनौती मिलने लगी है। डोनाल्ड ट्रंप का स्वभाव है वह आक्रामक होकर अपनी विपक्षी के ऊपर हमला करते हैं। पिछले 1 साल में जिस तरह से डोनाल्ड ट्रंप पूरी दुनिया में एक्सपोज हुए हैं। उसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति की जो छवि होती थी, उसमें बहुत बड़ा बड़ा लग गया है। अमेरिका को सारी दुनिया के देशों से कई तरह की चुनौतियां मिलना शुरू हो गई हैं। डॉलर मुद्रा को चुनौती मिल रही है। नाटो और यूरोपीय देशों ने अमेरिका का साथ एक तरह से छोड़ दिया है। ऐसी स्थिति में ईरान से ज्यादा अमेरिका को युद्ध ?विराम की जरूरत थी। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू इसमें सबसे बड़ी बाधा बने हुए थे। जिस तरह से ईरान ने तेल अवीव और इजरायल के विभिन्न हिस्सों में हमला करके जो नुकसान पहुंचाया है, उसके कारण अब इजराइल भी ठंडा पड़ गया है। इजराइल का इतिहास रहा है कि वह अपनी बात पर ज्यादा देर कायम नहीं रहता है। इस युद्ध विराम में यदि कोई पलीता लगाने का काम करेगा, तो वह इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ही होंगे। इन 15 दिनों में कोई हमला नहीं हुआ तो निर्णायक समझौते के लिए वातावरण बनने में अब कोई दिक्कत नहीं है। ईरान ने अपनी ताकत का एहसास कर दिया है। पिछले 47 सालों से उसके ऊपर लगातार प्रतिबंध थोपे जा रहे थे। इस युद्ध के बाद अब उसके साथ बातचीत में समान रूप से व्यवहार करना होगा। इस युद्ध ने सभी के अहंकार को तोड़ दिया है। सभी पक्षों को युद्ध में भारी नुकसान हुआ है। सारी दुनिया के देशों को इस युद्ध में भारी नुकसान हुआ है। कच्चा तेल, गैस, खाद्यान्न एवं अन्य सामान की आपूर्ति दुनिया भर में बाधित हुई है। सारी दुनिया के देश चाहते थे, जल्द से जल्द इस मामले का कोई हल निकले। जो हुआ है, वह बहुत अच्छा हुआ है। ईरान इस बार पूरी तरह सतर्क है। उसके पास जो अस्त्र-शस्त्र हैं। जितना अच्छा उपयोग इस युद्ध में ईरान ने किया है, उसके बाद लगता नहीं है, अमेरिका और इजरायल ईरान के साथ कोई खेल करेंगे। कच्चे तेल के दाम घटने के साथ गैस की निर्वाध आपूर्ति शुरू होगी। कुल मिलाकर इस युद्ध विराम का स्वागत सभी देशों द्वारा किया जा रहा है। रूस-चीन जैसी महाशक्तियां भी युद्ध खत्म कराने मे अप्रत्यक्ष रूप से प्रयास कर रहे थे। बातचीत में स्थाई समाधान खोज लिया जाता है। तो यह दुनिया के लिए शांतिपूर्ण प्रयासों की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

विधानसभा चुनाव में लोकतंत्र की अग्रिपरीक्षा एवं सत्ता के नए समीकरण

- योगेश कुमार गोयल हैं। चुनाव कार्यक्रम भी बेहद दिलचस्प है, असम, केरल और पुदुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान होगा, तमिलनाडु में 23 अप्रैल को और पश्चिम बंगाल में दो चरणों (23 और 29 अप्रैल) में वोट डाले जाएंगे। नतीजे 4 मई को घोषित होंगे और उसी दिन यह स्पष्ट हो जाएगा कि जनता ने किसके पक्ष अपने चरम पर है। रैलियों की गुंज, वादों की बरसात और आरोप-प्रत्यारोप के तीखे तीरों के बीच लोकतंत्र का यह उत्सव अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। हर राजनीतिक दल अपने-अपने एजेंडे, घोषणापत्र और रणनीति के के साथ मैदान में हैं, वहीं विपक्ष मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है। इस बार का चुनाव केवल सरकार बनाने का साधन नहीं बल्कि बीते पांच वर्षों के कामकाज का जनमत संग्रह और आने वाले राजनीतिक भविष्य की दिशा तय करने वाला निर्णायक क्षण है। इन पांच राज्यों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर लगभग 17.4 करोड़ मतदाता अपने मतों का प्रयोग करेंगे। यह केवल आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि 116 लोकसभा सीटों के प्रभाव क्षेत्र से जुड़ा हुआ वह राजनीतिक क्रांति का प्रतीक है। इस बार का चुनाव केवल आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि 116 लोकसभा सीटों के प्रभाव क्षेत्र से जुड़ा हुआ वह राजनीतिक क्रांति का प्रतीक है। इस बार का चुनाव केवल आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि 116 लोकसभा सीटों के प्रभाव क्षेत्र से जुड़ा हुआ वह राजनीतिक क्रांति का प्रतीक है। इस बार का चुनाव केवल आंकड़ों का खेल नहीं बल्कि 116 लोकसभा सीटों के प्रभाव क्षेत्र से जुड़ा हुआ वह राजनीतिक क्रांति का प्रतीक है।



के रूप में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई थी। इस बार मुकाबला और अधिक तीखा हो गया है। तृणमूल कांग्रेस अपने 'बंगाल मॉडल', महिला सशक्तिकरण योजनाओं और क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दों के साथ मैदान में है, वहीं भाजपा 'डबल इंजन' सरकार के वादे और चुसपैठ जैसे मुद्दों को प्रमुखता दे रही है। राजगार, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक पारदर्शिता जैसे मुद्दे भी चुनावी विमर्श के केंद्र में हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यहां मुकाबला बेहद काटे का होगा, एक तरफ ममता बनर्जी की राजनीतिक विरासत दांव पर है तो दूसरी ओर भाजपा के लिए यह पूर्वी भारत में विस्तार का सुनहरा अवसर है। असम का चुनाव भी कम दिलचस्प नहीं है। 126 सीटों वाली विधानसभा में 2.25 करोड़ मतदाता निर्णायक भूमिका निभाएंगे। यहां मुख्य सवाल यही है कि क्या भाजपा लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी

कर पाएगी या कांग्रेस और उसके सहयोगी दल वापसी का रास्ता तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में भाजपा विकास, बुनियादी ढांचे और सुरक्षा के मुद्दों को लेकर जनता के बीच है। वहीं विपक्ष सीए-एनआरसी, बेरोजगारी और क्षेत्रीय पहचान जैसे मुद्दों को उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहा है। राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की सक्रियता ने इस चुनाव को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। असम में परिणाम न केवल राज्य की राजनीति बल्कि पूर्वोत्तर भारत में शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करेंगे। दक्षिण भारत में तमिलनाडु और केरल की राजनीति अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति का प्रभाव इतना गहरा है कि राष्ट्रीय दलों की भूमिका सीमित हो जाती है। 234 सीटों वाली विधानसभा में 5.67 करोड़ मतदाता मतदान करेंगे। पिछले चुनाव में डीएमके गठबंधन ने सत्ता हासिल की थी और इस बार भी वह अपने 'द्रविड़ मॉडल', सामाजिक न्याय और कल्याणकारी योजनाओं के दम पर चुनाव जीतने का दावा कर रहा है। वहीं एआईए डीएमके गठबंधन महंगाई, बिजली संकट

एनडीए गठबंधन ने सत्ता हासिल की थी और इस बार भी वह अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस और क्षेत्रीय दल सत्ता वापसी के लिए संघर्षरत हैं। इन सभी राज्यों में एक समान बात यह है कि वोट प्रतिशत और सीटों का समीकरण हमेशा सीधा नहीं होता। कई बार मामूली वोट अंतर भी भारी सीट अंतर में बदल जाता है। यही कारण है कि राजनीतिक दल बूथ स्तर तक अपनी रणनीति को मजबूत कर रहे हैं। सोशल मीडिया और डिजिटल प्रचार ने चुनावी अभियान को एक नई दिशा दी है, जहां नैरेटिव की लड़ाई केवल मैदान में नहीं बल्कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी लड़ी जा रही है। चुनावी मुद्दों की बात करें तो इस बार कोई एक मुद्दा हावी नहीं है। राजगार, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि संकट और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दे अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग रूप में सामने आ रहे हैं। यही विविधता इन चुनावों को और अधिक जटिल और रोचक बनाती है। राजनीतिक दृष्टि से इन चुनावों को 2029 के लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल भी माना जा रहा है। इन राज्यों से आने वाली 116 लोकसभा सीटें राष्ट्रीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाती हैं। यदि भाजपा असम में अपनी पकड़ बनाए रखती है, पश्चिम बंगाल में बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। पिछले चुनाव में

सनक हारी, हौसला जीता: युद्धविराम सफल होगा या नहीं

दिलीप कुमार पाठक सुगबुगाहट है, वह है दो हफ्ते के इतिहास की बिसात पर जब अहंकार और आत्मसम्मान का टकराव होता है, तो अक्सर नतीजा बारूद की ताकत नहीं, बल्कि इरादों की मजबूती तय करती है। आज दुनिया के फलक पर जो कुछ घट रहा है, वह डोनाल्ड ट्रंप की उस तथाकथित मजबूत छवि का विखंडन है, जिसे उन्होंने वर्षों का बयानबाजी से गढ़ा था। ट्रंप, जो दुनिया को अपनी उंगलियों पर नचाने का दावा करते थे, आज खुद अपनी ही बिछाई बिसात पर एक मज़ाक बनकर रह गए हैं। यह जंग बारूद की नहीं, बल्कि रसूख और जज्बात की थी, जहाँ ट्रंप की धमकियाँ ईरान के संकल्प के सामने बेअसर साबित हुईं। वाशिंगटन के सत्ता के गलियारों में आज वह शोर नहीं है, जो कभी ईरान को नेस्तनाबूद करने के दावों से गुंजता था। इसके बजाय, वहां एक ऐसी खामोशी है जो किसी बड़ी हार को स्वीकार करने से पहले छाई रहती है। वर्तमान परिदृश्य में जो सबसे बड़ी



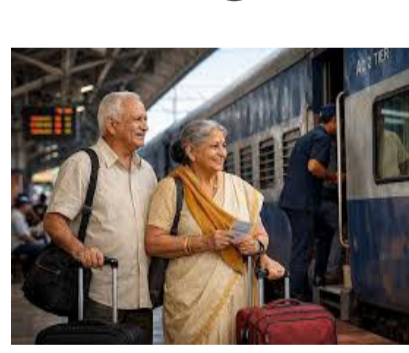
इज्जत बचाने के लिए शाहबाज शरीफ का एक रणनीतिक मोहरों की तरह इस्तेमाल किया। जब दुनिया को लगा कि पाकिस्तान मध्यस्थता कर रहा है, तब असल में पर्दे के पीछे ट्रंप प्रशासन ईरान की उन लगभग सभी शर्तों को स्वीकार करने की स्थिति में आ चुका था, जिन्हें वे कल तक असंभव करार देते थे। शाहबाज शरीफ मात्र एक जरिया थे, असली इज्जत बचाने के लिए शाहबाज विरोध के स्वर और वैश्विक मंच पर उनके फैसलों पर होते सवाल यह बताने के लिए काफी हैं कि केवल आर्थिक पाबंदियों से किसी राष्ट्र का चरित्र नहीं बदला जा सकता। शाहबाज शरीफ के जरिए संहारा लिया और उन शर्तों के साथ एक ऐसी जंग से बाहर निकला, जिसे वह हर तरीके से हार रहा था। सीज़फायर का यह ठहराव भले ही अस्थायी हो, लेकिन इसने दुनिया को महाशक्तियों की सीमाओं का अहसास करा दिया है। अब गेंद ट्रंप के पाले में है, कि वे इस दो हफ्ते के समय का उपयोग मानवता को बचाने के लिए करते हैं, या फिर सकते जो अपनी जमीन को किसी

गया था, क्योंकि अस्मिता से उपजा हो। अमेरिका की वे जानते थे कि आंतरिक राजनीति में भी ट्रंप इस वक्त बुरी तरह धिर चुके हैं, और यह उनके समझौता उनकी गिरती लोकप्रियता को बचाने का एक आखिरी दांव हो चुकी हैं। ट्रंप है। ईरान ने अपने संयम और रणनीतिक धैर्य से यह संदेश दिया है कि जब हौसला पहाड़ जैसा हो, तो कम नहीं है। उनके सुपर पावर की अपने देश में उठते लहरें भी उससे टकराकर शांत हो जाती हैं। इतिहास गवाह रहेगा कि जो अंत तक मैदान में डटा रहा। कूटनीति के पन्नों में यह हमेशा दर्ज रहेगा कि कैसे एक महाशक्ति ने अपनी साख बचाने के लिए एक मध्यस्थता के मुखौटे का सहारा लिया और उन शर्तों के साथ एक ऐसी जंग से बाहर निकला, जिसे वह हर तरीके से हार रहा था। सीज़फायर का यह ठहराव भले ही अस्थायी हो, लेकिन इसने दुनिया को महाशक्तियों की सीमाओं का अहसास करा दिया है। अब गेंद ट्रंप के पाले में है, कि वे इस दो हफ्ते के समय का उपयोग मानवता को बचाने के लिए करते हैं, या फिर अपनी जमीन को किसी

और तरीके से संवारने की कोशिश में जुटे रहते हैं। ईरान की धरती पर गिरे हर बम ने उसके इरादों को कमजोर करने के बजाय और भी ज्यादा मजबूत किया है। इज़रायल का पक्ष जो कभी बहुत आक्रामक था, वह भी अब चुपकी साधे बैठा है क्योंकि उसे समझ आ गया है कि जंग का अंत उनके पक्ष में नहीं होने वाला। ट्रंप का यह कार्यकाल उनकी उस छवि के विपरीत रहा है जो वे दिखाना चाहते थे, और शाहबाज शरीफ का इस्तेमाल उनकी इसी कमजोरी को ढकने के लिए किया गया। अंत में, यह जंग हमें याद दिलाती है कि बारूद के ढेर पर बैठकर आप किसी का दिल और दिमाग नहीं जीत सकते। मानवता की पुकार आज सबसे ऊपर है, और इस युद्ध का स्थायी रूप से धमना ही विश्व शांति की एकमात्र राह है। ईरान का हौसला और अमेरिका की हाताशा आज के वैश्विक इतिहास के सबसे बड़े अध्याय बन चुके हैं। सुपर पावर का यह मौन संरेंडर दुनिया के नए शक्ति संतुलन की ओर एक बड़ा और निर्णायक इशारा है।

कब पुनः शुरु होगी वरिष्ठ नागरिकों की रेल यात्रा छूट

- निर्मल रानी कोरोना का प्रभाव कम होने के बाद भारतीय रेलवे ने 12 मई से चरणबद्ध तरीके से यात्री ट्रेनों को फिर से शुरू करने की योजना बनाई थी। इसके अंतर्गत सर्वप्रथम 15 विशेष ट्रेनों के द्वारा नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को असम, बंगाल, बिहार, इसी दौरान पूरे विश्व में हवाई यातायात तक ठप्प हो गया था। अनेक देशों में लॉक डाउन लगा दिया गया था। कल-कारखाने सभ्यी प्रकार के यातायात, व्यवसाय, उद्योग बाज़ार आदि सभी बंद कर दिये गये थे। भारत भी उन्हीं देशों में एक था जहाँ पूर्ण लॉक डाउन लगा दिया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं 24 मार्च 2020 की रात को पहले चरण के राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की थी। 25 मार्च 2020 की मध्यरात्रि से लागू लॉकडाउन पहले तो केवल 21 दिनों का बताया गया था परन्तु बाद में भी इसे कई चरणों में आगे बढ़ाया गया था। इसी पूर्ण लॉकडाउन के दौरान रेल सहित देश की सभी यातायात सुविधाओं को पूर्णतः स्थगित कर दिया गया था।



के बावजूद आज तक वैसे ही हैं। जैसे कि कोरोना काल में वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में रेल टिकट पर मिलने वाली आंशिक छूट को पूरी तरह समाप्त कर दिया था। वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली छूट को समाप्त करते समय सरकार द्वारा यह तर्क दिया गया था कि अनावश्यक यात्रा रोकने के लिये यह छूट समाप्त की गयी है। परन्तु आज पूरे छः वर्ष बीत जाने के बाद भी जबकि देश भर में ट्रेन सेवाएं लगभग सामान्य हो चुकी हैं, यह छूट आज तक बहाल नहीं हुई है। गौरतलब है कि उसी दौरान प्रधानमंत्री ने यह कहा था कि इतनी बड़ी आपदा, भारत

का बावजूद आज तक वैसे ही हैं। जैसे कि कोरोना काल में वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में रेल टिकट पर मिलने वाली आंशिक छूट को पूरी तरह समाप्त कर दिया था। वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली छूट को समाप्त करते समय सरकार द्वारा यह तर्क दिया गया था कि अनावश्यक यात्रा रोकने के लिये यह छूट समाप्त की गयी है। परन्तु आज पूरे छः वर्ष बीत जाने के बाद भी जबकि देश भर में ट्रेन सेवाएं लगभग सामान्य हो चुकी हैं, यह छूट आज तक बहाल नहीं हुई है। गौरतलब है कि उसी दौरान प्रधानमंत्री ने यह कहा था कि इतनी बड़ी आपदा, भारत

का बावजूद आज तक वैसे ही हैं। जैसे कि कोरोना काल में वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में रेल टिकट पर मिलने वाली आंशिक छूट को पूरी तरह समाप्त कर दिया था। वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली छूट को समाप्त करते समय सरकार द्वारा यह तर्क दिया गया था कि अनावश्यक यात्रा रोकने के लिये यह छूट समाप्त की गयी है। परन्तु आज पूरे छः वर्ष बीत जाने के बाद भी जबकि देश भर में ट्रेन सेवाएं लगभग सामान्य हो चुकी हैं, यह छूट आज तक बहाल नहीं हुई है। गौरतलब है कि उसी दौरान प्रधानमंत्री ने यह कहा था कि इतनी बड़ी आपदा, भारत

निर्माण कार्य में बाधा बनी दिल्ली जल बोर्ड की पाइपलाइन

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) करावल नगर की काली घटा रोड पुलिया का निर्माण दिल्ली जल बोर्ड की पाइपलाइन के कारण रुक गया है। शिलान्यास के बाद सिंचाई विभाग ने पुलिया तोड़ दी थी, जिससे स्थानीय लोग परेशान हैं। पुलिया के टूटने से स्थानीय लोग परेशान हैं। करावल नगर से मुस्तफाबाद जाने वाले रोड पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है। लोगों को जाम का सामना करना पड़ रहा है। काली घटा रोड का निर्माण कार्य निगम कर रहा है। निगम अभी इस रोड पर नाले बना रहा है। जबकि हाइवे से जुड़ी पुलिया को सिंचाई विभाग बना रहा है। काली घटा रोड से शिव विहार, वेस्ट करावल नगर, सादतपुर, करावल नगर गांव के लोगों को खजूरी, लोनी जाना होता है तो वह इस पुलिया से जाते थे।

मां के दूध में मौजूद प्रोटीन से होगा सूखी आंखों का इलाज

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) एम्स दिल्ली के आरपी सेंटर ने सूखी आंखों (ड्राई आई डिजीज) के इलाज में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। एक क्लीनिकल ट्रायल में मां के दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन लैक्टोफेरिन से बनी दवा के उत्साहवर्धक परिणाम मिले हैं। इसने आंखों की नमी, आंसुओं की गुणवत्ता में सुधार किया और जलन व धुंधलेपन को कम किया। हालांकि, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के आरपी सेंटर फॉर आर्थोपेडिक साइंसेज के एक नए क्लीनिकल ट्रायल ने इलाज की दिशा बदलने के संकेत दिए हैं। इस ट्रायल में मां के दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन से बनी दवा लैक्टोफेरिन के परिणाम उत्सावर्धक रहे हैं। ट्रायल से जुड़े डाक्टर मान रहे हैं कि लैक्टोफेरिन ड्राई आंखों के इलाज में रामबाण बन सकती है।

दिल्ली की न्यू फ़ेंड्स कॉलोनी में पाइपलाइन टूटी

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) दक्षिणी दिल्ली की न्यू फ़ेंड्स कॉलोनी में पिछले पांच दिनों से पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त है। इससे सड़क पर लगातार पानी बह रहा है, जिससे घरों में पानी का दबाव कम हो गया है और जलभराव से आवागमन बाधित हो रहा है। लोगों की शिकायत है कि क्षेत्र में पेयजल लाइनें 50 वर्ष से भी अधिक पुरानी हैं। इस कारण आए दिन पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने की परेशानी बनी रहती है। इससे कई बार घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति का सामना भी करना पड़ता है।

पिरागढ़ी के पास ट्रक ने बाइक सवार को कुचला, 19 साल के युवक की मौत

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) पश्चिमी दिल्ली में एक तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार 19 वर्षीय कृष्ण मोहन को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना पिरागढ़ी चौक के पास हुई। पुलिस ने आरोपित ट्रक चालक सौरभ कुमार को हिरासत में ले लिया है। पुलिस के अनुसार, 6 अप्रैल की रात करीब 11:13 बजे एक पीसीआर काल प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि पंजाबी बाग से पिरागढ़ी चौक की ओर जाने वाली सड़क पर मेट्रो पिलर संख्या 213 के पास एक ट्रक ने बाइक सवार को टक्कर मार दी है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां एक काली पल्सर मोटरसाइकिल क्षतिग्रस्त हालत में मिली और उसके पास एक युवक का शव पड़ा था।

भड़काने के आरोपित साजिद इकबाल को नहीं मिली राहत

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) तीस हजारी कोर्ट ने तुर्कमान गेट पथराव और हिंसा मामले में मुख्य आरोपी साजिद इकबाल की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शिल्पी जैन ने कहा कि आरोप गंभीर हैं और जांच के लिए उसकी हिरासत में पूछताछ आवश्यक है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आरोपित की भूमिका भीड़ को उकसाने और आक्रामक तरीके से नेतृत्व करने की रही है, जिसकी गहन जांच अभी बाकी है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि अन्य आरोपितों को मिली जमानत का लाभ साजिद इकबाल को नहीं दिया जा सकता, क्योंकि उसकी भूमिका अलग है।

दिल्ली के कनाॅट प्लेस रेस्तरां से चोरी करने वाला नाबालिग 12 घंटे में गिरफ्तार

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) नई दिल्ली पुलिस ने कनाॅट प्लेस के एक रेस्तरां से चोरी करने वाले नाबालिग को 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। कैफे टोमिनो से 58,473 रुपये की नकदी चोरी हुई थी, जिसमें से 57,000 रुपये बरामद कर लिए गए हैं। डीसीपी सचिन शर्मा का कहना है कि मॉडर्न मार्ग थाने की टीम ने घटना की रिपोर्ट मिलने के 12 घंटे के भीतर ही रात में हुई चोरी के एक मामले को सुलझा लिया है और चुराई गई नकदी बरामद कर ली है।

शादी के जोड़े अब लाल से हुए सफेद, युवा वर्ग ने बदली परंपरागत सोच

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) भारतीय शादियों में लाल रंग को हमेशा से शुभ और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता रहा है, लेकिन अब बदलते दौर में परंपराएं भी नया रूप ले रही हैं। युवा वर्ग पारंपरिक लाल जोड़े की जगह सफेद और ऑफ-व्हाइट रंग के परिधानों को प्राथमिकता दे रहा है। मॉडर्न वेंडिंग ट्रेंड में दुल्हनें सफेद लहंगा, गाउन या पेस्टल शेड्स के आउटफिट चुन रही हैं, जो सादगी के साथ शाही लुक भी देते हैं।पहले जहां सफेद रंग को शाोक से जोड़कर देखा जाता था, वहीं अब इसे क्लास, ए्लिगेंस और मॉडर्निटी का प्रतीक माना जा रहा है। सोशल मीडिया और सेलिब्रिटी वेंडिंग्स का भी इस ट्रेंड को बढ़ावा देने में बड़ा योगदान है। कई अभिनेत्रियों और इन्फ्लुएंसर्स ने अपनी शादी में सफेद या हल्के रंगों के जोड़े पहनकर नई मिसाल पेश की है। फैशन डिजाइनर्स का कहना है कि आज की दुल्हन अपनी पर्संद को प्राथमिकता दे रही है।

गैस की कमी से जुझ रही दिल्ली में पड़ोसी बन रहे सहारा

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) दिल्ली में गैस सिलिंडर की कमी ने कई घरों की रसोई को मुश्किल में डाल दिया है। कहीं गैस खत्म होने से खाना बनाना बंद हो गया है, तो कहीं परिवार चिंता में है कि अब खाना कैसे बनेगा। ऐसे में कई इलाकों में लोग अपने पड़ोसियों की परेशानी देखकर खुद आगे आ रहे हैं और अपने घर का गैस सिलिंडर देकर उनकी मदद कर रहे हैं। किसी के घर छोटे बच्चे हैं तो कहीं बुजुर्गों के लिए खाना बनाना जरूरी है, ऐसे में पड़ोसी देवदत्त बनकर सामने आ रहे हैं। लोगों ने कहा कि संकट के ऐसे ही पलों में ईंसानियत और मानवता की असली पहचान सामने आती है।

स्फटिकेश्वर महादेव धाम बना आस्था का केन्द्र: स्फटिक शिवलिंग दर्शन से मिलते हैं अदभूत फल

बिलासपुर 9 अप्रैल (निस) सरकंडा स्थित स्फटिकेश्वर महादेव धाम में विराजित स्फटिक शिवलिंग श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र बन गया है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार, स्फटिक शिवलिंग के दर्शन एवं पूजा से भक्तों को आध्यात्मिक, मानसिक और भौतिक लाभ प्राप्त होते हैं, जिसका उल्लेख शास्त्रों में भी मिलता है। मंदिर के मुख्य व्यवस्थापक अमित तिवारी ने बताया कि देशभर में ऐसे केवल छह मंदिर हैं, जबकि यह धाम देश का सातवां और छत्तीसगढ़ का पहला स्फटिक शिव मंदिर है। यह बिलासपुर के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है। हिमालयन क्वार्ट्ज (स्फटिक) से निर्मित यह शिवलिंग जयपुर में विशेष रूप से तराशा गया है, जिसकी लंबाई 18 इंच, गोलाई

स्वतंत्रता के अमर प्रहरी: रामगोपाल तिवारी की 129वीं जयंती पर गूंजा देशभक्ति का स्वर

बिलासपुर 9 अप्रैल (निस) स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी परिवार संगठन द्वारा महान सेनानी स्व. रामगोपाल तिवारी की 129वीं जयंती पर भावपूर्ण स्मरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिववार प्रातः 10 बजे आयोजित इस कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों एवं सेनानी परिवारों ने सहभागिता कर देशभक्ति की विरासत को नमन किया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वजारोहण एवं सेनानियों के चित्रों पर दीप प्रज्वलन के साथ हुई। योगाचार्य एवं समाजसेवक अनिल तिवारी ने तिवारी जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे महात्मा गांधी से प्रेरित होकर स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े थे। उनके प्रयासों से गांधीजी का

रेत खनन से 2.33 करोड़ का राजस्व, अवैध उत्खनन पर भी सख्त कार्रवाई जारी

कांकरे 9 अप्रैल (निस) जिले में रेत खदानों से इस वित्तीय वर्ष 2025–26 में 2.33 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। खनिज विभाग के अनुसार 76.62 लाख रुपए रॉयल्टी और 1.56 करोड़ रुपए प्रीमियम के रूप में वसूले गए हैं। जिले में वर्तमान में 15 रेत खदानें संचालित हैं, जो चारामा और दुर्गुकोंदल क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में स्थित हैं। इसके अलावा 16 अस्थायी रेत भंडारण लाइसेंस भी स्वीकृत किए गए हैं। खनिज विभाग की टास्क फोर्स टीम ने पूरे वर्ष अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ लगातार कार्रवाई की। इस दौरान 99 प्रकरण दर्ज कर 99 वाहनों को जब्त किया गया और 27.65 लाख रुपए की समाशोधन राशि वसूली गई। वहीं अवैध भंडारण के 13 मामलों में 9.81 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। अवैध खनन के 5 मामलों में 5 मशीन और 4 वाहन जब्त कर 7.45 लाख रुपए की वसूली की गई है। हाल ही में भी कार्रवाई करते हुए 7 वाहन और 5 मशीनें जब्त की गई हैं तथा संबंधित लोगों को नोटिस जारी किया गया है। जिला खनिज अधिकारी सनत कुमार साहू ने कहा कि रेत खदानों का संचालन नियमों के तहत सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर नियंत्रण के लिए टास्क फोर्स सक्रिय है और आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। हालांकि, बढ़ती कार्रवाई के बावजूद अवैध खनन पूरी तरह थमता नजर नहीं आ रहा है। 99 वाहनों की जब्ती और लाखों की वसूली इस बात का संकेत है कि अवैध नेटवर्क अब भी सक्रिय हैं। रेत खनन केवल राजस्व का विषय नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और पारदर्शिता से भी जुड़ा गंभीर मुद्दा है। लगातार अवैध उत्खनन से नदियों का संतुलन बिगड़ने और भूजल स्तर प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है।

साप्ताहिक बाजार में बिजली कटौती से व्यापारी परेशान, कांकरे चैंबर ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

शहर में साप्ताहिक बाजार के दिनों में हो रही बिजली कटौती से व्यापारियों की परेशानियां बढ़ गई हैं। इसी मुद्दे को लेकर कांकरे चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर व्यवस्था में सुधार की मांग की है। पदाधिकारियों ने बताया कि नगर में हर रविवार और बुधवार को साप्ताहिक बाजार लगता है, जिसमें दूर–दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में विशेष रूप से रविवार को बिजली बंद किए जाने से व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है और ग्राहकी भी प्रभावित हो रही है। व्यापारियों का कहना है कि बिजली नहीं रहने से दुकानों में सामान दिखाने और लेन–देन करने में कठिनाई होती है, जिससे बाजार की रौनक भी प्रभावित होती है। इसके अलावा विद्युत विभाग द्वारा बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप से कुछ व्यापारियों को हटाए जाने पर भी नाराजगी जताई गई। उनका कहना है कि इससे जरूरी सूचनाओं का आदान–प्रदान बाधित हो रहा है। चैंबर ने मांग की है कि मेटेनेंस कार्य साप्ताहिक बाजार के दिनों (रविवार और बुधवार) को छोड़कर अन्य दिनों में किया जाए, ताकि व्यापार प्रभावित न हो। साथ ही जिन व्यापारियों को व्हाट्सएप ग्रुप से हटाया गया है, उन्हें पुनः जोड़ा जाए। ज्ञापन सौंपने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में चैंबर अध्यक्ष अनूप शर्मा, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अरुण कौशिक, महामंत्री दिनेश राजक, वरिष्ठ व्यवसायी नंदकुमार ओझा, पार्षद विकास अंभोरे, मो. शकील मेमन, सागर केशवानी, अजय जैन, मो. असलम ईशानी, लक्षी केशवानी, मनीष केशवानी, गोल्ड लालवानी सहित अन्य व्यापारी शामिल रहे।

खड़गे पर अभद्र टिप्पणी का विरोध, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा का पुतला फूंका

रायपुर 9 अप्रैल (निस) अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर रायपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुमार मेमन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी चौक पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा का पुतला दहन कर दिया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच झड़प भी हुई। हालात नियंत्रित करने के लिए पुलिस को अग्निशमन यंत्र (पानी की बौझर) का इस्तेमाल करना पड़ा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुमार मेमन ने कहा कि असम सरकार कांग्रेस नेताओं पर दबाव बनाने के लिए एफआईआर और छापेमारी जैसी कार्रवाइयां कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पवन खेड़ा के घर भी पुलिस ने रेड की है, लेकिन कांग्रेस किसी भी दबाव से नहीं डरने वाली है। कांग्रेस नेता आकाश शर्मा ने भाषणा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के नेता अब पूरी तरह बौखला गए हैं। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के असम दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि अब उनके पास जनता के लिए कोई नई योजना नहीं बची है। साथ ही उन्होंने असम के मुख्यमंत्री और उनके परिवार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप भी लगाए। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए और पूरे मामले को लेकर कड़ी नाराजगी जताई।

गोबरा नवापारा थाने में सफाईकर्मी से मारपीट का आरोप, हाथ फ़ैकर; कांग्रेस का प्रदर्शन

रायपुर 9 अप्रैल (निस) जिले के गोबरा नवापारा में पुलिस पर गंभीर आरोप लगे हैं। नगर पालिका के एक सफाई कर्मचारी के साथ थाने में मारपीट का मामला सामने आया है, जिससे क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है। पीड़ित की पहचान जुगे माचखंड के रूप में हुई है, जिसका हाथ फ़ैकर होने की बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार, गोबरा नवापारा थाने में पदस्थ आरक्षक हुलास साहू सुबह पीड़ित को नाली सफाई के बहाने थाने लेकर गया था। आरोप है कि वहां चोरी के एक मामले में पूछताछ के दौरान उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित के परिजन, मोहल्लेवासी और नगर पालिका के अन्य सफाई कर्मचारी बड़ी संख्या में थाने पहुंचे और दोषी आरक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

विभिन्न अधिवास, विशेष अधिषेक और महाआरती के साथ विशाल भंडारा आयोजित किया गया।इस धार्मिक आयोजन ने स्फटिकेश्वर महादेव धाम को क्षेत्र में एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र के रूप में स्थापित कर दिया है।

खुश रहना ही सबसे बड़ी सेवा-बीके स्वाति दीदी का प्रेरक संदेश-प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की स्थानीय शाखा राजयोग भवन में आयोजित विशेष कार्यक्रम में सेवाकेंद्र संचालिका बीके स्वाति दीदी ने कहा कि आज के तनावपूर्ण जीवन में सबसे बड़ी आवश्यकता 'खुशी' की है। उन्होंने बताया कि सच्ची खुशी बाहरी साधनों से नहीं, बल्कि हमारे भीतर से उत्पन्न होती है। अपने उद्बोधन में बीके स्वाति दीदी ने कहा कि आधुनिक जीवन में सुविधाएं बढ़ने के बावजूद मनुष्य की खुशी घट रही है, जिसका मुख्य कारण मानसिक अशांति और नकारात्मक सोच है। उन्होंने स्पष्ट किया कि खुशी कोई बाहरी परिस्थिति नहीं, बल्कि एक आंतरिक चेतना की अवस्था है। जब मन शांत, पवित्र और सकारात्मक होता है, तभी वास्तविक आनंद का अनुभव होता है।उन्होंने राजयोग ध्यान को सच्ची खुशी का माध्यम बताते हुए कहा कि इसके जरिए व्यक्ति अपने विचारों को शुद्ध कर मन को स्थिर बना सकता है। अक्सर लोग सोचते हैं कि परिस्थितियां ठीक होंगी तब खुश होंगे, जबकि सच्चाई यह है कि पहले खुश रहना सीखना होगा, तभी परिस्थितियां भी अनुकूल बनती हैं, उन्होंने कहा।

प्रीमांकुर गुप्ता ने वर्तमान समाज में सत्य के अभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि गलत जानकारीयों के कारण परिवार और सामाजिक संरचना प्रभावित हो रही है।

मुख्य वक्ता आचार्य जयदेव शारस्त्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि अर्थव्यवस्था में सेनानी परिवार के सदस्य उपस्थित रहे और अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। **हनुमान थे 'वानर', न कि 'बंदर', आर्य समाज सत्संग में उठा इतिहास का नया दृष्टिकोण** बेहतराई रोड स्थित आर्य समाज में रविवार को आयोजित साप्ताहिक सत्संग में धार्मिक एवं ऐतिहासिक विषयों पर गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरुआत हवन से हुई, जिसके पश्चात अध्यक्ष रूपलाल चावला ने भजन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उपाध्यक्ष

प्रीमांकुर गुप्ता ने वर्तमान समाज में सत्य के अभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि गलत जानकारीयों के कारण परिवार और सामाजिक संरचना प्रभावित हो रही है। मुख्य वक्ता आचार्य जयदेव शारस्त्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि अर्थव्यवस्था में सेनानी परिवार के सदस्य उपस्थित रहे और अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। **हनुमान थे 'वानर', न कि 'बंदर', आर्य समाज सत्संग में उठा इतिहास का नया दृष्टिकोण** बेहतराई रोड स्थित आर्य समाज में रविवार को आयोजित साप्ताहिक सत्संग में धार्मिक एवं ऐतिहासिक विषयों पर गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम की शुरुआत हवन से हुई, जिसके पश्चात अध्यक्ष रूपलाल चावला ने भजन प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उपाध्यक्ष

पीजी में गर्लफ्रेंड को बुलाया, बोला मेरे चाचा व अंकल से संबंध बनाओ

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) दिल्ली के मंगोलपुरी में एक 22 वर्षीय युवक ने अपनी 35 वर्षीय प्रेमिका को हत्या कर शव बेडबांक्स में छिपा दिया। आरोपी ने महिला पर अपने चाचा और उसके दोस्त के साथ संबंध बनाने का दबाव बनाया था, जिसके इनकार पर उसने गला घोटकर वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने प्रेमी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में एक 35 वर्षीय महिला की नृशंस हत्या का मामला सामने आया है। आरोपी प्रेमी ने अपनी प्रेमिका को सिर्फ इसलिए मौत के घाट उतार दिया क्योंकि वो उसके चाचा की हवस का शिकार बनने को तैयार नहीं थी। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी प्रेमी, उसके चाचा और चाचा के दोस्त उसके चाचा और के एक दोस्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, यह पूरी वारदात मंगलवार दोपहर मंगोलपुरी के पथर मार्केट स्थित एक पेइंग गेस्ट (पीजी) आवास में हुई। मुख्य आरोपी 22 वर्षीय युवक एक चिकन की दुकान चलाता था और उसका उसी इलाके में रहने वाली शादीशुदा महिला के साथ प्रेम संबंध था। महिला घरों में साफ-सफाई का काम करती थी और उसके बच्चे भी हैं। मंगलवार को आरोपी ने अपने एक दोस्त के पीजी में कमरा लिया और महिला को वहां मिलने बुलाया। वहां युवक का 50 वर्षीय चाचा और उसका 52 वर्षीय दोस्त भी पहले से मौजूद थे। आरोपी ने बताया कि उसने महिला पर दबाव बनाया कि वह उनके चाचा और आरोपी प्रेमी, उसके चाचा और चाचा के दोस्त के साथ शारीरिक संबंध बनाए।

दिल्ली में पिता–चाचा की हत्या करने वाले कलयुगी बेटे का कबूलनामा

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) दिल्ली के उत्तम नगर में ईश्वर नामक युवक ने अपने पिता देवेंद्र और चाचा अमित की हत्या कर दी। आरोपी की नजर पिता के पीएफ खाते में जमा 50 लाख रुपये और अनुकंपा पर मिलने वाली सरकारी नौकरी पर थी। शराब के नशे में विवाद के बाद उसने दोनों सगे भाइयों के साथ मारपीट की, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। राजधानी दिल्ली के द्वारका जिले से रिश्तों के कत्ल की एक रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है। उत्तम नगर इलाके में एक ही प्लैट के भीतर दो सगे भाइयों, देवेंद्र कुमार (50) और अमित (48) के शव मिलने से हड़कंप मच गया था। पुलिस ने इस दोहरे हत्याकांड की गुत्थी सुलझाते हुए मृतक देवेंद्र के बेटे ईश्वर को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में जो खुलासा हुआ, उसने सबको हैरान कर दिया। यह हत्या किसी रंजिश में नहीं, बल्कि लाखों रुपये के लालच में की गई थी। पुलिस जांच और स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, मृतक देवेंद्र एएसआईसी में कार्यरत थे। उनके पीएफ खाते में लगभग 50 लाख रुपये की मोटी रकम जमा थी। देवेंद्र अक्सर घर में यह चर्चा करते थे कि उनकी मृत्यु के बाद यह बड़ी धनराशि और अनुकंपा के आधार पर उनकी सरकारी नौकरी बेटे ईश्वर को मिल जाएगी। बस यही बात ईश्वर के दिमाग में घर कर गई। वो जल्द से जल्द उस 50 लाख रुपये की रकम का मालिक बनना चाहता था और सरकारी कुर्सी पर बैठना चाहता था। उसे लगा कि पिता और चाचा के रहते वो इन सब सुविधाओं काआनंद नहीं ले पाएगा, इसलिए उसने दोनों को रास्ते से हटाने की खौफनाक साजिश रच डाली। ये सब खुद आरोपी बेटे ईश्वर ने पुलिस पूछताछ में कबूल किया है।

बिना पैसे दिए कौन इस्तेमाल कर सकेगा दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे का ये हिस्सा

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) 14 अप्रैल को शुरू होने जा रहे दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने स्थानीय लोगों को बड़ी राहत दी है। सबापुर और करावल नगर के निवासियों को सर्विस रोड के इस्तेमाल पर कोई टोल नहीं देना होगा। हालांकि, मुख्य हाईवे पर यात्रा करने वाले वाहनों से लोनी बॉर्डर प्लाजा पर निर्धारित टोल वसूला जाएगा। दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन आगामी 14 अप्रैल को होने जा रहा है। इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने से न केवल दिल्ली से उत्तराखंड की दूरी कम होगी, बल्कि खजूरी पुरता पर लगने वाले भीषण जाम से भी मुक्ति मिल जाएगी। इसी बीच एनएचएआई ने स्थानीय लोगों को एक बड़ी राहत देते हुए स्पष्ट किया है कि सर्विस रोड का इस्तेमाल करने वालों से कोई टोल टैक्स नहीं वसूला जाएगा। एक्सप्रेसवे के निर्माण के साथ ही लोनी बॉर्डर पर एक विशाल टोल प्लाजा बनाया गया है। उद्घाटन के बाद जैसे ही यहां टोल वसूली शुरू होगी, स्थानीय निवासियों को इस बात का डर सता रहा था कि अपनी ही कॉलोनी या पास के बाजार (जैसे करावल नगर) जाने के लिए उन्हें भारी–भरकम टोल चुकाना पड़ेगा। सबापुर गांव और आसपास के इलाकों के लोगों को फिलहाल करावल नगर पहुंचने के लिए बॉर्डर पर सर्विस लेन से थू–टर्न लेना पड़ता है। लोगों को अंदेशा था कि एनएचएआई इस सर्विस रोड पर भी अपनी नजरें गड़ाए हुए है।

नितिन गडकरी ने दिल्ली में छत्रपति शिवाजी महाराज इमर्सिव म्यूजियम का उद्घाटन किया

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली के कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया में छत्रपति शिवाजी महाराज इमर्सिव मल्टी–डायमेंशनल म्यूजियम का उद्घाटन किया। यह अत्याधुनिक तकनीक से लैस है, जो शिवाजी महाराज के जीवन, पराक्रम और युद्ध कौशल को जीवंत रूप से प्रदर्शित करता है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को दक्षिणी दिल्ली के कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया में छत्रपति शिवाजी महाराज इमर्सिव मल्टी–डायमेंशनल म्यूजियम का उद्घाटन किया। यह म्यूजियम अत्याधुनिक इमर्सिव टेक्नोलॉजी से लैस है, जो छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन, उनके वीर पराक्रम, युद्ध कौशल और ऐतिहासिक योगदान को अत्यंत जीवंत और इंटरैक्टिव तरीके से प्रदर्शित करता है। म्यूजियम जून 2025 में बनकर पूरी तरह तैयार हो गया था और अब आम जनता के लिए खुल चुका है। इसमें आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर शिवाजी महाराज के इतिहास को नई पीढ़ी तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने का प्रयास किया गया है। उद्घाटन अवसर पर नितिन गडकरी ने कहा कि यह म्यूजियम दिल्ली में शिवाजी महाराज की विरासत को संरक्षित करने और लोगों को उनके साहस व नेतृत्व से परिचित कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। म्यूजियम में विजिटर्स को शिवाजी महाराज के जीवन की विभिन्न घटनाओं को 3D, मल्टी–डायमेंशनल और इमर्सिव अनुभव के माध्यम से देखने और महसूस करने का मौका मिलेगा।यह म्यूजियम राजधानी में छत्रपति शिवाजी महाराज के इतिहास को करीब से समझने का एक अनोखा केंद्र बन गया है।

पुरुषार्थ जगाओ, व्यसन मिटाओ, आत्मसंयम रखें

मनुष्य जीवन अत्यंत दुर्लभ और अमूल्य है। यह केवल भोग-विलास या क्षणिक सुखों के लिए नहीं मिला, बल्कि आत्मोन्नति, समाज कल्याण और परम शांति की प्राप्ति के लिए प्राप्त हुआ है। फिर भी आज का मनुष्य अपने वास्तविक लक्ष्य से भटकता जा रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण है व्यसन। व्यसन केवल एक आदत नहीं है, यह एक ऐसा जाल है जो धीरे-धीरे मनुष्य की चेतना,



शक्ति और अस्तित्व को निगल अंधकार में डूबने लगता है। व्यसन जाता है। इसके विपरीत पुरुषार्थ मनुष्य की बुद्धि को भ्रष्ट करता है, वह शक्ति है जो मनुष्य को उसकी सोचने-समझने की क्षमता ऊँचाइयों तक पहुँचाती है। को समाप्त करता है और उसे गलत इसलिए आवश्यक है कि हम निर्णयों की ओर धकेलता है। पुरुषार्थ को जगाएँ और व्यसनोँ शराब, तंबाकू, नशा, जुआ और का त्याग करें। इतिहास गवाह है अन्य दुर्व्यसन केवल शरीर को ही कि जिसने पुरुषार्थ को अपनाया, नहीं, बल्कि आत्मा को भी कमजोर उसने असंभव को संभव कर कर देते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति दिखाया। एक साधारण व्यक्ति भी नहीं होगी कि व्यसन मृत्यु का द्वार अपने परिश्रम और दृढ़ संकल्प है, क्योंकि यह मनुष्य को धीरे-से महान बन सकता है। इसका धीरे नष्ट कर देता है। आज समाज सबसे बड़ा उदाहरण महात्मा गांधी में व्यसनोँ का विस्तार एक भयावह हैं। जेल में रहते हुए भी उन्होंने रूप ले चुका है। हर गली, हर मोड़ अपने कार्य के प्रति जो निष्ठा पर व्यसनोँ का बाजार सजा हुआ दिखाई, वह उनके पुरुषार्थ का है। युवा पीढ़ी विशेष रूप से इसकी परिचायक था। उन्होंने यह सिद्ध चपेट में आ रही है। शुरुआत में कर दिया कि परिस्थितियों चाहे यह केवल एक प्रयोग के रूप में कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि शुरू होता है, लेकिन धीरे-धीरे यह मनुष्य अपने पुरुषार्थ को नहीं लत बन जाता है और फिर व्यक्ति छोड़ता, तो सफलता स्वयं उसके इसके बिना जी नहीं पाता। वह चरण चूमती है। इसके विपरीत अपनी इच्छाओं का दास बन जाता जो व्यक्ति व्यसनोँ के अधीन हो है और उसका आत्मबल समाप्त हो जाता है, उसका जीवन धीरे-धीरे जाता है। यही कारण है कि व्यसन

को आत्मा के लिए घातक और जानलेवा कहा गया है। व्यसन का प्रभाव केवल व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, यह उसके परिवार, समाज और पूरे राष्ट्र को प्रभावित करता है। एक व्यसनी व्यक्ति अपने कर्तव्यों को भूल जाता है, अपने परिवार की जिम्मेदारियों से मुँह मोड़ लेता है और आर्थिक रूप से भी कमजोर हो जाता है। इससे परिवार में तनाव, कलह और दुःख का वातावरण बनता है। समाज में अपराध बढ़ते हैं और राष्ट्र की प्रगति बाधित होती है। इस प्रकार व्यसन केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय समस्या भी है। इसके विपरीत पुरुषार्थ वह शक्ति है जो मनुष्य को इन सभी बुराइयों से बचाती है। पुरुषार्थ का अर्थ केवल शारीरिक परिश्रम नहीं है, बल्कि मानसिक दृढ़ता, आत्मसंयम और सकारात्मक सोच भी है। जो व्यक्ति अपने मन और इंद्रियों पर नियंत्रण रखता है, वही सच्चा

पुरुषार्थी होता है। वह कठिनाइयों से नहीं डरता, बल्कि उनका सामना करता है और उन्हें अवसर में बदल देता है। भगवान महावीर ने भी पुरुषार्थ और आत्मसंयम पर विशेष बल दिया है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने भीतर की शक्तियों को पहचानना चाहिए और उन्हें सही दिशा में लगाना चाहिए। उन्होंने व्यसनोँ से दूर रहने और संयमित जीवन जीने का संदेश दिया। उनके अनुसार सच्ची स्वतंत्रता वही है, जो मनुष्य को अपने मन और इंद्रियों पर विजय प्राप्त करने से मिलती है।

आज आवश्यकता है कि हम अपने जीवन में इस सत्य को समझें और अपनाएं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि व्यसन हमें केवल विनाश की ओर ले जाते हैं, जबकि पुरुषार्थ हमें विकास और उन्नति की ओर ले जाता है। हमें अपने जीवन में ऐसे संकल्प लेने होंगे, जो हमें व्यसनोँ से दूर रखें और पुरुषार्थ के मार्ग पर आगे बढ़ाएँ। व्यसन छोड़ना आसान नहीं है, लेकिन यह असंभव भी नहीं है। इसके लिए दृढ़ इच्छा शक्ति और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है। सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि व्यसन हमारे लिए हानिकारक है और हमें इसे छोड़ना ही होगा। इसके बाद हमें अपने जीवन में सकारात्मक आदतों को शामिल करना चाहिए, जैसे नियमित व्यायाम, ध्यान, अध्ययन

और अच्छे लोगों का संग। यह सब हमें व्यसन से दूर रखने में सहायक होते हैं।

साथ ही समाज और सरकार को भी इस दिशा में प्रयास करने होंगे। व्यसन मुक्ति के लिए जागरूकता फैलाना, नशा विरोधी अभियान चलाना और युवाओं को सही दिशा देना अत्यंत आवश्यक है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण भूमिका व्यक्ति की स्वयं की होती है। जब तक व्यक्ति स्वयं नहीं जागोगा, तब तक कोई भी प्रयास सफल नहीं हो सकता।

अंततः यही कहा जा सकता है कि जीवन का वास्तविक आनंद पुरुषार्थ में है, व्यसन में नहीं। जो व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहता है, उसे व्यसनोँ का त्याग करके पुरुषार्थ का मार्ग अपनाना होगा। यही मार्ग उसे सच्ची सफलता, शांति और संतोष प्रदान करेगा।

इसलिए आइए, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि हम अपने जीवन से सभी प्रकार के व्यसनोँ को दूर करेंगे और पुरुषार्थ को अपनाकर अपने जीवन को महान बनाएँगे। यही हमारे जीवन की सच्ची दिशा और उद्देश्य होना चाहिए।

(रु 103 जलवंत टाऊनशिप पूणा बाँम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार रस्तभकार)

प्रदोष व्रतकथा से पूरी होती है मनुष्य की सभी मनोकामनाएँ

सनातन धर्म में व्रत का विशेष महत्व है, लेकिन किसी भी व्रत की पूर्णता उसकी कथा के पाठ से ही होती है। शास्त्रों के अनुसार, अगर कोई जातक पूरे दिन व्रत रखकर महादेव की सेवा करता है, लेकिन प्रदोष काल में व्रत कथा का पाठ नहीं करता, तो

उसकी पूजा अधूरी मानी जाती है। इसलिए व्रत के साथ उसकी कथा का पाठ भी जरूर करें या फिर सुनें। प्रदोष व्रत की कथा अदृष्ट विश्वास और भक्ति का प्रतीक है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, प्रदोष काल में स्वयं महादेव और माता पार्वती कैलाश पर्वत पर प्रसन्न मुद्रा में नृत्य करते हैं। इस समय कथा पढ़ने से जातक का मन पवित्र होता है और



वह अनजाने में किए गए पापों का नाश होता है।

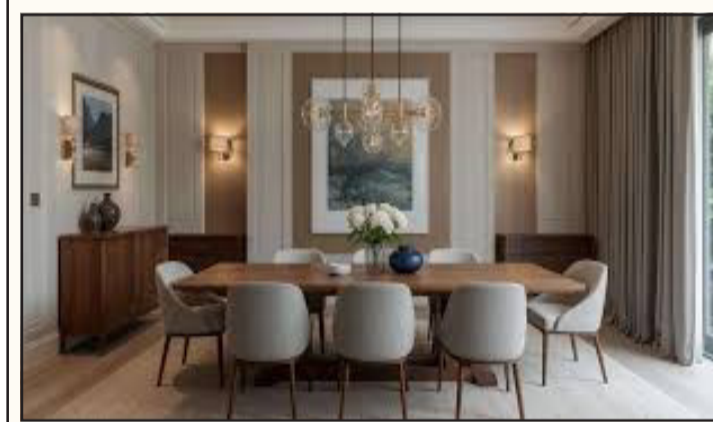
प्राचीन काल में एक ब्राह्मणी थी, जिसके पति का देहांत हो चुका था। उसका कोई सहारा नहीं था, इसलिए वह सुबह होते ही अपने पुत्र के साथ भोख मांगने निकल पड़ती थी। वह खुद भी भिक्षा मांगती और अपने पुत्र का भी पालन-पोषण करती थी। एक दिन जब वह भिक्षा मांगकर लौट रही थी, तो उसे नदी किनारे एक सुंदर बालक दिखाई दिया, जो बहुत उदास बैठा था। वह बालक विदर्भ देश का राजकुमार था। शत्रुओं ने उसके पिता को युद्ध में मार दिया था और उसका राज्य छीन लिया था। ब्राह्मणी को उस बालक पर दया आ गई। वह उसे अपने घर ले आई और अपने पुत्र के समान ही उसका पालन-पोषण करने लगी। कुछ समय बाद, ब्राह्मणी अपने दोनों पुत्रों के साथ शांडिल्य ऋषि के आश्रम गईं। वहाँ ऋषि ने उन्हें प्रदोष व्रत की महिमा बताई और व्रत करने की विधि सिखाई। ब्राह्मणी ने श्रद्धापूर्वक प्रदोष व्रत करना शुरू कर दिया। कुछ समय बाद, दोनों बालक वन में विहार कर रहे थे। वहाँ उनकी भेंट कुछ गंधर्व कन्याओं से हुई। राजकुमार धर्मगुण एक गंधर्व कन्या अंशुमती पर मोहित हो गए। गंधर्व कन्या के पिता को जब पता चला कि वह राजकुमार है, तो उन्होंने अपनी पुत्री का विवाह राजकुमार धर्मगुण से कर दिया। राजकुमार ने गंधर्व राज की सेना की सहायता से अपने शत्रुओं पर आक्रमण किया और अपना खोया हुआ विदर्भ देश का राज्य वापस जीत लिया। उसने ब्राह्मणी के पुत्र को अपना प्रधानमंत्री बनाया और उस ब्राह्मणी को राजमाता का सम्मान दिया। जब ब्राह्मणी ने राजकुमार से उसकी सफलता का कारण पूछा, तो उसने कहा कि यह सब प्रदोष व्रत के प्रभाव और महादेव की कृपा का फल है। तब से यह मान्यता चली आ रही है कि जो भी व्यक्ति प्रदोष व्रत रखकर इस कथा का पाठ करता है, उसके जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं और सुख-शांति की प्राप्ति होती है। प्रदोष व्रत की कथा हमेशा सूर्यास्त के समय, यानी प्रदोष काल में ही पढ़नी चाहिए। अगर हो पाए, तो परिवार के साथ बैठकर कथा सुनें। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। जो जातक इस कथा का पाठ करते हैं, उन्हें कर्ज से मुक्ति, संतान सुख और अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद मिलता है।

घर में हर चीज वास्तु अनुरूप रखें, आएगी समृद्धि व शांति

हर कोई घर में सुख-शांति और धन चाहता है और इसके लिए लोग कई उपाय करते हैं। कुछ लोग पूजा-पाठ, हवन तो कुछ घर वास्तु के अनुसार बनवाते हैं। वहीं वास्तु के अनुसार अगर आप घर में कुछ चीजें दिशा के अनुसार रखते हैं तो इसका भी असर आपके जीवन पर पड़ता है।

जानते हैं वास्तु से जुड़ी कुछ बातें-

1 ड्रेसिंग टेबल के साथ दर्पण पूर्व या उत्तर की दीवारों पर होना चाहिए।



2 अलमारी शयन कक्ष के उत्तर पश्चिमी या दक्षिण की ओर होनी चाहिए। टीवी, हीटर और एयर कंडीशनर दक्षिण पूर्वी दिशा के कोने में स्थित होना चाहिए।

लिखने की जगह पूर्व या शयन कक्ष के पश्चिम की ओर होनी चाहिए जबकि पढ़ाई करते समय मुँह पूर्व दिशा में होना चाहिए।

बेडरूम में सेफ या तिजोरी दक्षिण की दीवार के साथ रखनी चाहिए। खुलते समय उसका मुँह उत्तर की तरफ खुलना चाहिए।

इससे धन में कमी नहीं आएगी।

4 दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम कोना कभी खाली नहीं रखना चाहिए।

5 बेडरूम के साथ लगता बाथरूम, कमरे के पश्चिम या उत्तर में होना चाहिए।

6 सोते समय एक अच्छी नींद के लिए सिर पूर्व या दक्षिण की तरफ होना चाहिए।

आत्मजागरण, समत्व और सच्चे दर्शन की ओर एक महान यात्रा

- कांतिलाल मांडे

मनुष्य जीवन केवल भौतिक उपलब्धियों का नाम नहीं है, बल्कि यह आत्मा की पहचान और उसके वास्तविक स्वरूप की खोज का माध्यम है। जब तक मनुष्य अपने भीतर छिपे सत्य को नहीं पहचानता, तब तक वह बाहरी संसार में भटकता रहता है। सम्यक्त्व, अर्थात् सम्यक् दर्शन, इस आत्म-जागरण की प्रथम सीढ़ी है। यह वह अवस्था है, जहाँ से आत्मा अपने वास्तविक स्वरूप की ओर अग्रसर होती है और जीवन का सच्चा उद्देश्य स्पष्ट होने लगता है। जैसे सागर का जल ऊपर से खारा प्रतीत होता है, परंतु गहराई में उतरने पर वही जल मधुर हो जाता है, ठीक उसी प्रकार दर्शन का विषय भी प्रारंभ में सामान्य व्यक्ति को नीरस या कठिन लग सकता है। लेकिन जैसे-जैसे साधक इसकी गहराई में उतरता है, उसे इसमें आनंद और शांति का अनुभव होने लगता है। यह अनुभव बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होता है, जो आत्मा को



स्थिरता और संतोष प्रदान करता है। सम्यक्त्व का अर्थ केवल किसी सिद्धांत को स्वीकार करना नहीं है, बल्कि यह आत्मा की एक ऐसी जागृत अवस्था है, जहाँ मिथ्यात्व अर्थात् गलत दृष्टिकोण का प्रभाव समाप्त हो जाता है। जब सम्यक् दर्शन आत्मा में प्रकट होता है, तब वह सूर्य के समान प्रकाशित होता है, जिसके सामने अज्ञान रूपी अंधकार टिक नहीं पाता। यह स्थिति सहज नहीं होती, बल्कि इसके लिए आत्म-पुरुषार्थ, साधना और निरंतर प्रयास आवश्यक है। आज के समय में मनुष्य बाहरी दिखावे और भौतिक सुखों में इतना उलझ गया है कि वह अपने वास्तविक स्वरूप को भूल

करता है, तब यह गुण स्वतः प्रकट हो जाता है। इसके लिए किसी बाहरी आडंबर, दिखावे या कर्मकांड की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि सच्ची साधना और आत्म-निरीक्षण की आवश्यकता होती है। आत्म-विश्वास इस मार्ग का एक महत्वपूर्ण आधार है। बिना आत्म-विश्वास के कोई भी व्यक्ति आध्यात्मिक प्रगति नहीं कर सकता। जब मनुष्य अपने भीतर की शक्ति को पहचानता है, तब वह किसी भी परिस्थिति में विचलित नहीं होता। जीवन में मित्र और शत्रु दोनों मिलते हैं, परंतु जिसका आत्म-विश्वास दृढ़ होता है, वह किसी से भयभीत नहीं होता। वह हर स्थिति में संतुलित और स्थिर रहता है। इतिहास और धर्मग्रंथों में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहाँ आत्म-विश्वास और सम्यक् दृष्टि के कारण व्यक्तियों ने असंभव को संभव कर दिखाया। यह आत्म-विश्वास ही वह शक्ति है, जो मनुष्य को कठिनाइयों से लड़ने और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

जब मनुष्य अपने भीतर इस शक्ति को जागृत कर लेता है, तब वह बाहरी परिस्थितियों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि स्वयं अपने जीवन का निर्माता बन जाता है। समत्व की भावना भी सम्यक्त्व का एक महत्वपूर्ण अंग है। जीवन में सुख और दुःख, लाभ और हानि, मान और अपमान आते रहते हैं। जो व्यक्ति इन सभी परिस्थितियों में समान भाव रखता है, वही सच्चा साधक है। जब मनुष्य समत्व को अपनाता है, तब वह कर्मों के बंधन से मुक्त होने लगता है। क्योंकि कर्मों का बंधन राग और द्वेष के कारण ही होता है, और समत्व इन दोनों को समाप्त कर देता है। शरीर के प्रति अत्यधिक मोह भी सम्यक्त्व की प्राप्ति में बाधा है। यह शरीर नश्वर है और रोगों का घर है। जब तक मनुष्य इसे ही अपना सब कुछ मानता रहेगा, तब तक वह दुःखों से मुक्त नहीं हो सकता। लेकिन जब वह समझता है कि वह शरीर नहीं, बल्कि आत्मा है, तब उसके दृष्टिकोण में परिवर्तन आने लगता है।

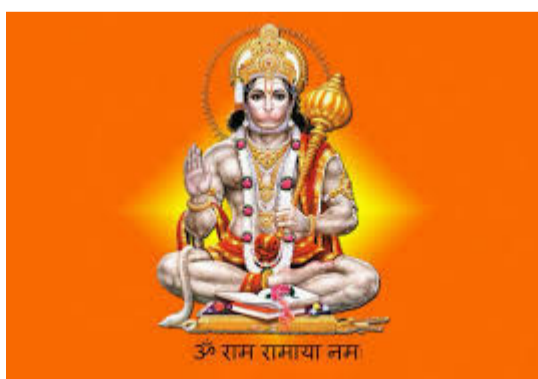
अपने भीतर के हनुमान को जगाने का पर्व

- ललित गर्ग

हनुमान जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव जीवन के चरित्र-निर्माण, आत्मबल, संयम, सेवा और समर्पण की प्रेरणा देने वाला महान दिवस है। यह दिन हमें मंदिरों में दीप जलाने से अधिक अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का संदेश देता है। हनुमान केवल शक्ति के प्रतीक नहीं हैं, वे शक्ति के सदुपयोग, ज्ञान की विनम्रता, भक्ति की पराकाष्ठा और सेवा की परंपरा के प्रतीक हैं। इसलिए हनुमान जयंती मनाने का वास्तविक अर्थ है-अपने भीतर के हनुमान को जगाना। हनुमान जी को मंगलकर्ता और विघ्नहर्ता कहा गया है। लेकिन वे विघ्न केवल बाहरी नहीं हटाते, वे मनुष्य के भीतर के विघ्न-अहंकार, भय, आलस्य, क्रोध, लोभ, मोह, इन सबका भी नाश करते हैं। आज का मनुष्य बाहरी समस्याओं से कम और आंतरिक कमजोरियों से अधिक परेशान है। इसलिए आज हनुमान की प्रार्थनाकता पहले से कहीं अधिक है। हनुमान शक्ति के प्रतीक हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कभी अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने अपनी शक्ति को सेवा में लगाया। आज का युग शक्ति प्रदर्शन का युग बन गया है-धन का प्रदर्शन, पद का प्रदर्शन, ज्ञान का प्रदर्शन, शक्ति का प्रदर्शन। लेकिन हनुमान हमें सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का प्रदर्शन नहीं, उसका संरक्षण और सदुपयोग ही महानता है। सर्वशक्तिमान होकर भी उन्होंने स्वयं को राम का दास कहा। इससे बड़ी विनम्रता और क्या हो सकती है? हनुमान हमें यह भी सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का अहंकार नहीं होना चाहिए। ज्ञान यदि विनम्रता नहीं देता, तो वह अज्ञान है। शक्ति यदि सेवा में नहीं लगती, तो वह विनाश का कारण बनती है। इसलिए हनुमान शक्ति और ज्ञान के साथ-साथ विनम्रता और सेवा के

भी प्रतीक हैं। हनुमान को ज्ञानियों में अग्रगण्य कहा गया है-ज्ञानिनामग्रगण्यम्। वे केवल बलवान नहीं थे, वे महान विद्वान, व्याकरणार्थ, तर्कशास्त्री, संगीतज्ञ और नीतिज्ञ भी थे। लेकिन इतनी विद्या होने पर भी उनमें अहंकार नहीं था। वे सरलता, सादगी और सेवा के प्रतीक बने रहे। आज शिक्षा बढ़ रही है, लेकिन विनम्रता घट रही है। डिग्रियाँ बढ़ रही हैं, लेकिन चरित्र घट रहा है। ऐसे समय में हनुमान

का चरित्र हमें ज्ञान के साथ विनम्रता का संतुलन सिखाता है। हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारहें रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे। उनको बजरंग बलि, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है। उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात् वायु से उत्पन्न होने वाला। इन्हें सात चिरंजीवियों में से एक माना जाता है। वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे। वीरो में वीर, बुद्धिजीवियों में सबसे विद्वान। इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चूटकीभर समय में पूर्ण कर दिए हैं। वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है। रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड



ॐ राम रामायाम नमः

विद्वान थे। हनुमान के जीवन में तीन महान तत्व दिखाई देते हैं-ज्ञान, भक्ति और कर्म। ज्ञान उन्हें दिशा देता है, भक्ति उन्हें प्रेरणा देती है और कर्म उन्हें महान बनाता है। यदि किसी व्यक्ति के जीवन में ज्ञान है पर कर्म नहीं, तो वह अधूरा है। यदि कर्म है पर भक्ति नहीं, तो उसमें संवेदना नहीं होगी। यदि भक्ति है पर ज्ञान नहीं, तो वह अंधविश्वास बन सकती है। इन तीनों का समन्वय यदि किसी चरित्र में दिखाई देता है, तो वह हनुमान का चरित्र है। हनुमान

का जीवन संयम का जीवन था। वे बलशाली थे, पर ब्रह्मचारी थे। वे विद्वान थे, पर विनम्र थे। वे वीर थे, पर शांत थे। वे शक्तिशाली थे, पर सेवक थे। यह संतुलन ही उन्हें महान बनाता है। आज मनुष्य के पास कर्म हैं, पर संयम नहीं। ज्ञान है, पर दिशा नहीं। शक्ति है, पर सेवा नहीं। इसलिए समाज में अशांति बढ़ रही है। हनुमान का जीवन हमें संयम और संतुलन का संदेश देता है। हनुमान के बाल स्वरूप की कथा भी अत्यंत प्रेरणादायक है। बालक हनुमान ने सूर्य को फल समझकर पकड़ने का प्रयास किया। यह केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि एक महान संदेश है। यह बालकों की असीम जिज्ञासा, उत्साह और ऊर्जा का प्रतीक है। यह कथा समाज को संदेश देती है कि बच्चों की जिज्ञासा को दबाया नहीं जाना चाहिए, उसे सही दिशा देनी चाहिए। यदि बालकों को सही मार्गदर्शन मिले, तो उनमें से हर बालक हनुमान बन सकता है-ऊर्जावान, जिज्ञासु, साहसी और रचनात्मक।

आज के माता-पिता और समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में हनुमान जैसे गुण विकसित करें-साहस, जिज्ञासा, अनुशासन, सेवा, विनम्रता और भक्ति। यदि बचपन में ही यह संस्कार मिल जाएं, तो समाज का भविष्य उज्वल हो सकता है। हनुमान भक्ति का वास्तविक अर्थ भी समझना जरूरी है। हनुमान भक्ति केवल चालीसा पढ़ना नहीं है, बल्कि हनुमान के गुणों को जीवन में उतारना है। हनुमान भक्ति का अर्थ है- अहंकार छोड़ना, सेवा करना, सत्य का साथ देना, संयम रखना, कर्तव्य निभाना और अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। जब तक भक्ति केवल मंदिर तक सीमित रहेगी, तब तक भगवान अलग रहेंगे और भक्त अलग रहेगा। जब भक्ति जीवन बन जाती है, तब भगवान और भक्त अलग नहीं रहते। हनुमान की भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मपरिवर्तन की प्रक्रिया है। यह भक्ति व्यक्ति को भीतर से बदल देती है-अहंकार की जगह विनम्रता, क्रोध की जगह क्षमा, भय की जगह साहस और निराशा की जगह आशा भर देती है। आज समाज में सबसे बड़ी समस्या शक्ति की नहीं, चरित्र की है; ज्ञान की नहीं, दिशा की है; साधनों की नहीं, संयम की है। इसलिए आज समाज को हनुमान की जरूरत है-मंदिरों में नहीं, जीवन में; मूर्तियों में नहीं, व्यक्तित्व में। हर व्यक्ति के भीतर एक हनुमान सोया हुआ है- किसी में साहस का हनुमान, किसी में सेवा का हनुमान, किसी में ज्ञान का हनुमान, किसी में भक्ति का हनुमान। जरूरत केवल उसे जगाने की है। अपने भीतर के हनुमान को जगाने का अर्थ है- अपने भीतर के भय को हराना, अपने भीतर के अहंकार को मिटाना, भीतर की शक्ति को सेवा में लगाना, अपने ज्ञान को समाज के काम में लगाना, अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। यदि हनुमान जयंती पर हम केवल पूजा करें और जीवन न बदलें, तो यह पर्व अधूरा है।

बरसात व ओलावृष्टि से फसलें तबाह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेवा सिंह ने प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

लाडवा, 9 अप्रैल (रामगोपाल) : क्षेत्र में गत दिवस हुई तेज बरसात और ओलावृष्टि ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। गेहूँ, सरसों सहित कई फसलें पूरी तरह से बर्बाद हो गई हैं, जिससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उपरोक्त जानकारी जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेवा सिंह ने प्रभावित गांवों लोहारा, सोंटी, दबखेड़ा, गिरधरपुर के इलावा कई गांव का दौरा कर किसानों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने खेतों में जाकर नुकसान का जायजा लिया और किसानों की पीड़ा को

करीब से समझा। किसानों ने बताया कि अचानक हुई ओलावृष्टि ने खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। कई जगहों पर फसल जमीन पर गिर गई है, जिससे उत्पादन पर गंभीर असर पड़ने की आशंका है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मेवा सिंह ने सरकार से मांग की है कि सरकार जल्द से जल्द तुरंत सर्वे करवाकर किसानों को 50 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दे। ताकि उनकी पीड़ा को कम किया जा सके। उन्होंने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे उनकी आवाज को सरकार तक मजबूती से पहुंचाएंगे। उन्होंने

50 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दे सरकार : मेवा सिंह



कहा कि यह समय किसानों के साथ खड़े होने का है और प्रशासन को जल्द से जल्द नुकसान का आंकलन कर राहत प्रदान करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे किसानों को आर्थिक सहायता के साथ-साथ फसल बीमा योजनाओं

का लाभ भी शीघ्र मिलना चाहिए, ताकि उन्हें दोबारा खेती करने में कठिनाई न हो। उन्होंने सरकार से मांग की कि प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा दिया जाए और भविष्य में ऐसी आपदाओं से बचाव के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इस अवसर पर पूर्व सरपंच अवतार सिंह, गुरदीप सिंह, इकबाल सिंह, पूर्व सरपंच अमरीक सिंह, दलजीत सिंह, रमेश कुमार, जागीर सिंह, ध्यान सिंह, शेर सिंह, रमेश हरिपुर, डिम्पल सिंह, हैप्पी, सोंटी सरपंच सुपिंदर सिंह, अमर सिंह,

जरनैल सिंह, सतीश कुमार, बलवंत सिंह, दिलावर सिंह, लाभ सिंह, अमरीक सिंह, जागीर सिंह, एवं शमशेर सिंह के इलावा कई किसान व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। **पोर्टल बनी समस्या** किसानों ने बताया कि फसल तबाही जहां उनके लिए परेशानी का सबब बनी हुई है वहीं टमाटर, मक्की, अजवाइन, प्याज का मेरी फसल मेरा ब्योरा के पोर्टल पर अपलोड ना होना उनके लिए चिंता बनी हुए है। सरकार को इनका मुआवजा मुहैया करवाना चाहिए ताकि थोड़ी राहत मिल सके।

समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से किया जाए निपटारा : डीसी अपराजिता

कैथल, 9 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : डीसी अपराजिता ने कहा कि समाधान शिविरों के माध्यम से प्राप्त होने वाली सभी शिकायतों को अधिकारी गंभीरता से लें और उनका निपटारा प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को बार-बार दफतरो के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक शिकायत को पोर्टल

पर अनिवार्य रूप से अपलोड किया जाए तथा इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। डीसी अपराजिता वीरवार को लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में आमजन की समस्याएं सुन रही थीं। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े और उन्होंने अधिकारियों को

निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से समाधान शिविरों में उपस्थित रहें तथा आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करें, ताकि लोगों का सरकार और प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो। उन्होंने यह भी कहा कि छोटी-छोटी समस्याओं के लिए लोगों को बार-बार चक्कर न काटने पड़ें। इसके बाद डीसी अपराजिता ने कहा

कि समाधान शिविर सरकार के सुशासन के संकल्प को जमीनी स्तर पर लागू करने का एक प्रभावी माध्यम है। सभी विभागाध्यक्ष यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय-सीमा के भीतर समाधान हो और उसकी गुणवत्तापूर्ण एटीआर पोर्टल पर अपलोड की जाए, ताकि शिकायत दोबारा लंबित न रहे। ज्यादा पुरानी

शिकायतों पर फोकस करके, उनका जल्द निपटारा सुनिश्चित करें। डीसी अपराजिता ने कहा कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय व उपमंडल स्तर पर सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें बिजली, पानी, परिवार पहचान पत्र, बुढ़ापा पेंशन सहित अन्य

समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे निर्धारित दिनों में शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं का समाधान करवाएं। इस अवसर एसपी मनप्रीत सिंह, एडीसी सुशील कुमार, जिला परिषद के सीईओ सुरेश राविश, डीएमसी कपिल शर्मा, एसडीएम संजय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

समाधान शिविर को गंभीरता से लें अधिकारी, कोताही बरतने वालों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी : प्रीति

यमुनानगर, 9 अप्रैल (दिनेश कुमार) : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्त व उच्च अधिकारियों को बैठक ली। उन्होंने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शुक्रवार को समाधान समीक्षा बैठक में सभी विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निपटारा के लिए उचित दिशा निर्देश दें। वीसी उपरांत उपायुक्त ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर को



गंभीरता से लें अधिकारी, कोताही बरतने वालों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में अपनी समस्याओं को लेकर आने वाले प्रत्येक प्रार्थी की समस्याओं को

मौके पर ही निपटारा करने का भरसक प्रयास रहे, यदि कोई समस्या का समाधान दस्तावेजों या अन्य जांच पर आधारित है तब भी उसका समयबद्ध होकर जल्द निपटारा प्रत्येक प्रार्थी की समस्याओं को

कहा कि प्रदेश सरकार के आदेशानुसार आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर में अब बदलाव किया गया है। अब ये शिविर सप्ताह में दो दिन सोमवार व वीरवार सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित किए जा रहे हैं।

पूर्व की भांति जिला व उपमंडल दोनों स्तरों पर शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में 12 शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिसमें वार्ड नम्बर 20 निवासी पार्षद विक्रम सिंह ने कांसापुर व ससौली रोड ठीक करवाने बारे, खारवन निवासी कर्मो देवी ने कानूनी कार्रवाई करने बारे, यमुनानगर निवासी रसिक सेवक ने गली ठीक करवाने बारे, जैन कॉलोनी निवासियों ने आवासीय क्षेत्र में अवैध कारखाना बंद करवाने बारे, चनैटी निवासी बबीता ने बिजली का कनेक्शन ठीक करवाने बारे, कांसापुर निवासियों ने कांसापुर की

मुख्य सड़क से अतिक्रमण हटवाने बारे, यमुनानगर निवासी रचना बत्रा ने प्रोपर्टी आईडी ठीक करवाने बारे समस्या रखी। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल, सीटीएम पीयूष गुप्ता, डीआरओ तरुण सहोता, डीआईपीआरओ डॉ. मनोज कुमार, समाधान शिविर के विशेष सदस्य नीरज गुप्ता, खरेती लाल बत्रा, जगदीश बब्बर, डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. अश्वनी अलमादी व अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डी.ए.वी. कॉलेज, चीका में भव्य प्लेसमेंट ड्राइव, 8 विद्यार्थियों का चयन, 8 लाख तक का पैकेज

चीका/कैथल, 9 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : डी.ए.वी. कॉलेज, चीका में आज एक सफल और भव्य ऑफलाइन प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया, जिसमें क्यू स्पाइडर (टेस्ट यंत्रा सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की इकाई) ने भाग लिया। यह प्लेसमेंट ड्राइव कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग एवं राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई, जिसने विद्यार्थियों को रोजगार के सुनहरे अवसर प्रदान किए। इस प्लेसमेंट ड्राइव में कॉलेज के विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों की लगन, मेहनत और तकनीकी

कौशल ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। कार्यक्रम की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धि यह रही कि कॉलेज के 8 मेधावी विद्यार्थियों का चयन एक प्रतिष्ठित कंपनी में हुआ, जिन्हें 3 लाख से 8 लाख रुपये तक का आकर्षक वार्षिक पैकेज प्रदान किया जाएगा।



पूरी चयन प्रक्रिया अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक और बहु-स्तरीय रही। इसमें सबसे पहले प्री-प्लेसमेंट टेस्ट आयोजित किया गया, जिसमें कंपनी के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को संगठन की कार्यप्रणाली, कार्य-संस्कृति और करियर के अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद ऑनलाइन एप्टीट्यूड टेस्ट लिया गया, जिसमें विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता, गणितीय

कौशल और तकनीकी ज्ञान का मूल्यांकन किया गया। एप्टीट्यूड टेस्ट में सफल अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट कर ग्रुप डिस्कशन के लिए आमंत्रित किया गया, जहां उनकी संप्रेषण क्षमता, नेतृत्व कौशल और टीमवर्क की परीक्षा ली गई। अंत में फाइनल इंटरव्यू आयोजित किया गया, जिसमें उम्मीदवारों की व्यक्तिगत योग्यता,

आत्मविश्वास और पेशेवर दृष्टिकोण का आकलन किया गया। इन सभी चरणों में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चयन सुनिश्चित किया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जसबीर सिंह ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए चयनित विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफलता उम्मीदवारों की व्यक्तिगत योग्यता, और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने यह भी कहा कि कॉलेज का उद्देश्य केवल शैक्षणिक शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को व्यावसायिक रूप से सक्षम बनाना भी है, ताकि वे भविष्य में देश और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। उन्होंने आगे कहा कि कॉलेज प्रशासन भविष्य में भी ऐसी प्लेसमेंट ड्राइव और करियर उन्मुख कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें और उनका उज्वल भविष्य सुनिश्चित हो सके। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रो. पूर्णिमा और प्रो. वैशाली ने विशेष भूमिका निभाई। उनके प्रयासों और समर्पण के कारण यह आयोजन

सुचारू रूप से संपन्न हो सका। इसके अतिरिक्त, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों और शिक्षकों ने भी सक्रिय सहयोग दिया और विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर शिक्षकों ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित किया कि वे अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें और निरंतर मेहनत करें। यह प्लेसमेंट ड्राइव कॉलेज के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित हुई है, जिसने न केवल संस्थान की प्रतिष्ठा को बढ़ाया है, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी है। इस सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि सही दिशा, मार्गदर्शन और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

8वें पोषण पखवाड़े की हुई शुरुआत सही आहार पोषण का आधार : मिक्षा रंगा

यमुनानगर, 9 अप्रैल (संजीव कुमार) : जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास मीक्षा रंगा ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जिले में 9 अप्रैल से 23 अप्रैल तक सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में 8वां पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है इसी कड़ी में खंड रादौर हिरण छप्पर आंगनवाड़ी में पोषण अभियान की कार्यक्रम का आयोजन किया।



जिसमें महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी कुसुम लता

ने ग्रामीण महिलाओं को पोषण के प्रति जागरूक किया गया। सुपरवाइजर वंदना कम्बोज ने बताया पोषण पखवाड़े को लेकर एक सुंदर मॉडल प्रस्तुत किया गया जो सभी के आकर्षण का केंद्र बना रहा वहीं एक

भेंट की गई। इस वर्ष अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों के मानसिक विकास को प्राथमिकता देना है ग्रामीण महिलाओं को उदाहरण देकर बताया कि बच्चे के मस्तिष्क का लगभग 85 प्रतिशत विकास छह वर्ष की आयु तक हो जाता है जिसमें पहले 1000 दिन बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए इस बार पोषण पखवाड़ा पोषण के साथ-साथ मानसिक विकास पर भी

केंद्रित रहेगा पोषण प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और आंगनवाड़ियों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करता है आंगनवाड़ियों में बच्चों को पोषण के साथ पढ़ाई से भी जोड़ा जा रहा है। पोषण पखवाड़े के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है पोषण के लिए महंगे उत्पादों की जरूरत नहीं है इसके लिए घर के आहार को सही प्रकार से लिया

जाये फल सब्जियों और सही मात्रा में आहार लिया जाये जंकफूड से परहेज किया जाये। महिलाओं और बच्चों पर ध्यान देते हुए एक पौष्टिक भारत के निर्माण की दिशा में ये प्रयास कारगर सिद्ध होगा इस पखवाड़े का उद्देश्य परिवारों, शिशुओं के स्वस्थ विकास और मस्तिष्क के पोषण में सहायक हों। अभियान को सफलता के लिए सभी को जनभागीदारी करनी होगी

हंगोला में गर्भवती महिलाओं के लिए मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर



रायपुररानी, 9 अप्रैल (देवेन्द्र सिंह) : गांव हंगोला स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं के लिए एक दिवसीय मौखिक स्वास्थ्य जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व डॉ. शिल्पा गुगलानी ने किया। शिविर में स्वास्थ्य टीम ने महिलाओं को दांतों की सही सफाई की विधि का लाइव डेमो दिखाया और दैनिक जीवन में अपनाई जाने वाली मौखिक स्वच्छता की आदतों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में विश्व मौखिक स्वास्थ्य दिवस 2026 की थीम ए-हैप्पी माउथ इस ए-हैप्पी लाइफ के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को जागरूक किया गया कि स्वस्थ मुँह न केवल उनकी सेहत बल्कि गर्भ में पल रहे शिशु के स्वास्थ्य के लिए भी महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने नियमित दांतों की देखभाल और स्वच्छता बनाए रखने की शपथ ली।

एसडीएम ने किया क्रांप कटिंग एक्सरसाइज का निरीक्षण, पारदर्शिता के लिए निर्देश



कैथल, 9 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : एसडीएम अजय हुड्डा ने कस्बे में संचालित क्रांप कटिंग एक्सरसाइज का रामगढ़ से मटौर रोड पर मौका निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्धारित मानकों के अनुसार फसल कटाई प्रयोग सम्पन्न करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फसल कटाई प्रयोग पूर्ण पारदर्शिता एवं नियमानुसार किया जाए, ताकि वास्तविक उत्पादन का सही आंकलन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने खेत में चयनित प्लांट का निरीक्षण करते हुए माप प्रक्रिया, कटाई विधि तथा रिकॉर्ड की भी बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि फसल कटाई प्रयोग सरकार की विभिन्न योजनाओं, विशेषकर फसल बीमा एवं उत्पादन आंकलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जानी चाहिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अवैध कॉलोनियों व अवैध निर्माण पर चला पीला पंजा



करनाल, 9 अप्रैल (मीनाक्षी देवी) : जिला योजनाकार ने बताया कि विभाग की टीम ने गत दिवस ड्यूटी मैजिस्ट्रेट व पुलिस की अगुवाई में चार अवैध कॉलोनियों व एक अवैध निर्माण के विरूद्ध तोड़फोड़ की कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि पहली अवैध कॉलोनी सी. एच. डी. सीटी के साथ गांव झंझाड़ी में लगभग 1.2 एकड़ में स्थित थी। इस कॉलोनी में सभी डी. पी. सी., एक शैड व सड़क को ध्वस्त किया गया। इसी प्रकार से दूसरी अवैध कालौनी गांव पुण्डरक में लगभग 10 एकड़ में फैली थी, जिसमें दो डी. पी. सी. व सड़कों को ध्वस्त किया गया। तीसरी अवैध कॉलोनी गांव गुरूनानक द्वार रोड, जिला कारागार के सामने कस्बा करनाल में लगभग 2.5 एकड़ में स्थित थी। इस कॉलोनी में सभी कच्ची सड़कों को ध्वस्त किया गया। चौथी अवैध कॉलोनी केन्द्रीय विद्यालय के सामने कस्बा करनाल में लगभग 17 एकड़ में स्थित थी, जिसमें सीवरेज नेटवर्क व कच्ची सड़कों को ध्वस्त किया गया। इनके साथ ही दून इन्टरनैशनल स्कूल गांव शाहपुर में स्थित एक अवैध निर्माण को भी ध्वस्त किया गया। उन्होंने बताया कि अवैध कॉलोनियों व अवैध निर्माण करने वालों की लगातार एफ. आई. आर. भी कवाई जा रही है, अवैध कॉलोनियों व अवैध निर्माण को बढ़ावा देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे डीलरों के जाल में न फंसें और शहर में बनी वैध कॉलोनियों में प्लांट खरीद कर अपना घर बनाएं।

युवाओं के स्किल प्रशिक्षण से मिलेंगे रोजगार के ज्यादा अवसर : नवीन जिन्दल

सांसद नवीन जिन्दल ने महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर का किया निरीक्षण

बाबैन, 9 अप्रैल (राजेश कुमार) : सांसद नवीन जिन्दल ने आज महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर पहुंचकर, संस्थान की विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम सांसद नवीन जिन्दल ने महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और देश को उनके दिए गए योगदान को याद किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान में संचालित विभिन्न कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों को विस्तृत जानकारी ली और वहां उपस्थित छात्रों से सीधे संवाद कर उनके अनुभवों को जाना। निरीक्षण के दौरान सांसद नवीन जिन्दल ने संस्थान की व्यवस्थाओं

और प्रशिक्षण प्रणाली की सराहना की। सांसद नवीन जिन्दल ने छात्रों के लिए संस्थान में बनाए गए जिम का भी निरीक्षण किया। सांसद नवीन जिन्दल ने छात्रों से कौशल विकास कार्यक्रमों के बारे में बातचीत करते हुए कहा कि युवाओं को स्किल प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार के ज्यादा अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने छात्रों से कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए धैर्य अनुशासन और निरंतर मेहनत अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे कौशल प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाते हुए अपने उज्वल भविष्य का निर्माण करें और देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर नवीन जिन्दल



फाउंडेशन से कृष्ण सिंह सैनी ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल का यह संस्थान दौरा, महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर के प्रशिक्षक, स्टाफ और छात्रों के लिए अत्यंत लाभदायक रहा।

सांसद नवीन जिन्दल ने संस्थान का दौरा करते हुए बहुत से महत्वपूर्ण सुझाव दिए ताकि छात्रों का सर्वांगीण विकास किया जा सके। अब बहुत जल्दी ही उनके द्वारा दिए गए सुझावों को क्रियान्वित किया जाएगा।

चौथी बार चला पीला पंजा, कब्जे हटाने पहुंची भारी पुलिस-बुजुर्गों की गुहार के बीच गिरा मकान

निसिंग, 9 अप्रैल (जोगिंद्र सिंह) : श्री राधा कृष्ण आदर्श गौशाला अमृपूर माजरा के साथ लगती गौचरण जमीन पर लंबे समय से किए गए कब्जे को हटाने के लिए प्रशासन ने एक बार फिर सख्त कार्रवाई की। चौथी बार चले इस अभियान में प्रशासन का 'पीला पंजा' गरजा और चार जेसीबी मशीनों की मदद से बने हुए मकान और पशुओं के शेड को ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान मीका के पुलिस बल तैनात रहा, जिससे किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति को रोका जा सके। जैसे ही जेसीबी मशीनों ने निर्माण गिराना शुरू किया, वहां मौजूद बुजुर्ग



महिलाएं और पुरुष पुलिस के सामने हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाते नजर आए। उनका कहना था कि उनके पास रहने के लिए कोई और जगह नहीं है और हम बेघर हो जाएंगे। बताया जा रहा है कि हटाए गए कब्जे का मलबा गांव के एक जोहड़ के किनारे डाल दिया गया और जमीन को पूरी तरह खाली करवाया गया। मौके पर थाना

प्रभारी श्री भगवान अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। उन्होंने प्रभावित परिवारों को समझाते हुए कहा कि वे अपना सामान सुरक्षित बाहर निकाल कर ता नजर आया, जो मानवता का उदाहरण भी बना। प्रशासन को इस तक उनका सामान पहुंचाया जाएगा। इस दौरान महिला पुलिस कर्मी भी वहां प्रभावित परिवारों में भविष्य को लेकर चिंता और आश्रंश भी साफ देखा गया।

मामलों को संवेदनशीलता से संभाला जा सके। कार्रवाई के दौरान एक पुलिस कर्मचारी सिर पर साफा बांधकर सामान बाहर निकलवाने में मदद करता नजर आया, जो मानवता का उदाहरण भी बना। प्रशासन को इस तक उनका सामान पहुंचाया जाएगा। इस दौरान महिला पुलिस कर्मी भी वहां प्रभावित परिवारों में भविष्य को लेकर चिंता और आश्रंश भी साफ देखा गया।

अनाज मंडी से उठान कार्य किया शुरु, किसानों को सीजन में नहीं आने दी जाएगी कोई दिक्कत : अनुभव मेहता

— मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने किसानों को सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए हैं निर्देश, अनाज मंडी में गेटपास, बायोमेट्रिक सहित गेहूं बिजली में नहीं आ रही है कोई दिक्कत

लाडवा, 9 अप्रैल (रामगोपाल) : एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अनाज मंडी में गेहूं के सीजन के दौरान किसानों को हर प्रकार की सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए सख्त निर्देश दिए हुए हैं। मुख्यमंत्री के निर्देश पर किसानों को मंडी में हर प्रकार की सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। आज मंडी में गेहूं की खरीद के साथ-साथ आज से उठान कार्य भी शुरू कर दिया गया है। अनाज मंडी से गेहूं उठान समय पर होने से किसानों को गेहूं डालने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध होगी।

एसडीएम अनुभव मेहता ने कहा कि अनाज मंडी में किसानों को अनाज मंडी में गेहूं लाने में कोई दिक्कत परेशानी नहीं हो रही है। मंडियों के सभी गेटों पर गेटपास आसानी से हो रही है। इसके साथ ही किसानों के लिए ऐप भी लॉन्च की हुई है। इस ऐप के माध्यम से अपना फोन पर किसान स्वयं भी गेटपास बना सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार व प्रशासन किसानों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसानों की फसल के एक-एक दाने की खरीद की जाएगी। सरकार ने प्रदेश में खरीद प्रणाली को और अधिक



पारदर्शी, सुरक्षित तथा किसान हितैषी बनाने के लिए कई नई पहलें लागू की हैं। इन उपायों से फसल खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी, अनधिकृत गतिविधियों पर रोक लगेगी तथा किसानों को सुविधाजनक और तेज सेवाएं मिलेंगी। एसडीएम अनुभव

मेहता ने कहा कि सभी मंडियों और गोदामों को जियो-फेंसिंग से जोड़ा गया है। इससे अनधिकृत उपयोग पर प्रभावी रोक लगेगी और लोकेशन आधारित निगरानी प्रणाली और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि मंडियों में माल की ट्रेसबिलिटी और जवाबदेही बढ़ाने के लिए एंटी ग्रेट पास जारी करते समय वाहन नंबर और वाहन/लोड की फोटो दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बहुत पुराने या नए वाहनों के मामलों में, जहां वाहन नंबर उपलब्ध नहीं होता, वहां केवल

वाहन की फोटो के आधार पर भी गेट पास जारी करने की अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि मंडी से स्टॉक बाहर ले जाने से पहले एग्जिट गेट पास के लिए ट्रांसपोर्ट और मार्केट कमेटी सचिव दोनों की अनिवार्य स्वीकृति सुनिश्चित की गई है। मार्केट कमेटी सचिव संत कुमार ने कहा कि अनाज मंडी लाडवा में बुधवार तक 33 हजार 272 क्विंटल गेहूं की आवक हुई है। इसके लिए 602 किसानों ने गेटपास बनवाए हैं। इस मौके पर एएफएसओ बृजमोहन, प्रधान राजीव आर्य सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

सनातन धर्म महिला महाविद्यालय नरवाना में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन, छात्राओं ने ली नशा मुक्ति की शपथ

नरवाना, 9 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : सनातन धर्म महिला महाविद्यालय नरवाना में रेड क्रॉस सेल एवं नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नशा मुक्ति एवं एड्स महामारी के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डीएसपी कमलदीप राणा ने शिरकत की जबकि नशा मुक्ति टीम जींद के इंचार्ज नरेश कुमार सहित उनकी टीम भी विशेष रूप से उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ.



अंजना लोहान ने की। मंच संचालन करते हुए रेड रिबन क्लब व नशा

मुक्ति अभियान की इंचार्ज ने कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला

और मुख्य अतिथि का परिचय छात्राओं से करवाया। अपने संबोधन में डीएसपी कमलदीप राणा ने कहा कि नशा एक ऐसी गंभीर बीमारी है जो व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार और समाज को खोखला कर देती है। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशे की चपेट में है तो उसकी जानकारी प्रशासन को दें ताकि उसका मुफ्त इलाज करवाया जा सके। उन्होंने मोबाइल के अत्यधिक उपयोग को भी एक प्रकार का नशा

बताते हुए छात्राओं को इसके दुष्प्रभावों से बचने की सलाह दी। इस दौरान नरेश कुमार और संदीप शर्मा साहिल ने भी अपने विचार रखते हुए नशा मुक्त समाज के निर्माण पर जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में नरेश कुमार ने सभी छात्राओं और स्टाफ को नशा न करने की शपथ दिलवाई प्राचार्या डॉ. अंजना लोहान ने मुख्य अतिथि का धन्यवाद करते हुए कहा कि महाविद्यालय इस तरह के जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से छात्राओं को सामाजिक

जिम्मेदारियों के प्रति प्रेरित करता रहेगा। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं के लिए रस्साकशी और दौड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। दौड़ प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष की छात्रा खुशी शयोकंद ने प्रथम स्थान हासिल किया जिन्हें डीएसपी कमलदीप राणा ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. नयन दीप, डॉ. शालू, मधु शर्मा, रुक्मणी सैनी, सुमन गर्ग सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का उद्देश्य सोलर योजना के माध्यम से लाडवा वासियों को मुहैया करवाना है सस्ती ऊर्जा : सुमन सैनी

लाडवा, 9 अप्रैल (रामगोपाल) : हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत हर घर पर सौर ऊर्जा पहुंचाने का लक्ष्य बनाया है। इस योजना के तहत नागरिकों को सस्ती ऊर्जा मुहैया कराई जा रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए योजना में अधिक से अधिक आवेदन करने को कहा है। उपाध्यक्षा सुमन सैनी वीरवार को लाडवा विधानसभा में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में नागरिकों को संबोधित कर रही थी। उपाध्यक्षा

सुमन सैनी ने इस दौरान नागरिकों की समस्याओं को सुना। नागरिकों की लिखित समस्याओं के समाधान के लिए मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं से विधानसभा की फीडबैक भी ली। उन्होंने नागरिकों को सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में अवगत करवाया। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं को इन योजनाओं का लाभ योग्य पात्रों तक पहुंचाने में अपना योगदान करने के निर्देश दिए। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत जिन परिवारों की



आय एक लाख 80 हजार रुपए से कम है उन्हें दो किलोवाट तक का सोलर मुफ्त दिया जा रहा है। इस सोलर सिस्टम से घरों के बिजली के बिल शून्य आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी प्रति किलोवाट के लिए 30 हजार रुपए की सब्सिडी दे रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब

सिंह सैनी ने प्रदेश के नागरिकों को इस योजना का और लाभ देने के लिए अतिरिक्त भार को अपने तरफ से दिया जा रहा है। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विधानसभा चुनावों के दौरान जनता से जो वादे किए थे, उन्हें एक के

बाद एक करके पूरा किया जा रहा है। महिलाओं को प्रतिमाह 2100 रुपए देने का वादा किया था। इसके लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना को लागू किया और बहनों के साथ किए हुए वादे को पूरा किया। उन्होंने कहा कि अब मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस योजना का विस्तार भी करने जा रहे हैं। जिसकी घोषणा भी मुख्यमंत्री द्वारा की जाएगी। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद और अधिक महिलाएं इस योजना की पात्र होंगी। मौजूदा समय में लगातार महिलाओं के खाते में इस योजना की किस्तें पहुंच रही हैं। उपाध्यक्षा

सुमन सैनी ने आज लाडवा के वयोवृद्ध स्वयंसेवक आनंद गोयल के निवास पर पहुंचकर उनका हालचाल जाना। आनंद गोयल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बाल स्वयंसेवक रहे हैं और पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे हैं। इस मौके पर मार्केट कमेटी चेयरमैन डा. गणेश दत्त, नगर पालिका अध्यक्ष साक्षी खुराना, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र दबखेड़ा, परमजीत कश्यप, अनिल, गुप्ता, अनुज गोयल, संजय, गर्ग, श्रवण कश्यप, अनिल माटा, पूनम सैनी, मोनिका गुप्ता, सनी कालड़ा भी मौजूद रहे।

मूनक में गेहूं के 5 एकड़ खेत में लगी आग, आगजनी में पांच एकड़ फसल जली, किसानों ने सरकार से की मुआवजे की मांग

मूनक, 9 अप्रैल (जयभगवान) : मूनक गांव में कंबाइन द्वारा गेहूं काटने के दौरान अचानक खेतों में आग लग गई और तीन किसानों की पांच एकड़ फसल जल गई। आगजनी की सूचना घरौंडा फायर ब्रिगेड को दी गई लेकिन फायर ब्रिगेड पहुंचने से पहले ही किसानों ने आग पर काबू पा लिया। अगर समय से आग पर काबू न पाया गया तो आग फैल कर गेहूं की अन्य खड़ी फसल में भी लग सकती थी। घटना की सूचना के बाद पुलिस व पटवारी भी मौके पर पहुंचे। किसानों ने प्रशासन ने मुआवजे की मांग की है। आग लगने के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए है।

वीरवार को गांव मूनक में मूनक हेड के नजदीक बलराम शर्मा के खेतों में कंबाइन से गेहूं काटने का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक चिंगारी भड़क उठी और तुरंत ही आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली की पांच एकड़ फसल को अपनी चपेट में ले लिया। आगजनी के बाद मौके पर किसानों में अफरा तफरी का माहौल गया तो आग फैल कर गेहूं की अन्य खड़ी फसल में भी लग सकी थी। किसानों ने ट्रैक्टर व हैरो और पानी की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। हालांकि आग काफी ज्यादा थी लेकिन किसानों ने हिम्मम नहीं हारी और उन्होंने आग पर काबू



पा लिया। हालांकि आगजनी की सूचना डायल-112 की टीम को भी दी गई थी, पुलिस की ईआरवी और सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। पटुं च गए, लेकिन फायर ब्रिगेड के आने से पहले ही किसानों ने आग पर काबू पा लिया। आगजनी की इस घटना में बलराज के साढ़े चार एकड़, महेंद्र कौर के



चार कनाल और गुरुमुख के दो कनाल गेहूं जल गए। किसान बलराम शर्मा, गुरुवचन व अन्य का कहना है कि कंबाइन खेत में कटाई का काम कर रही थी, अचानक ही खेत में धुंआ उठता दिखा और आग भड़क गई। जिसके बाद आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। पांच एकड़ का नुकसान हुआ है। फायर ब्रिगेड घरौंडा

से आती है तब तक बहुत देर हो जाती है। प्रशासन से अनुरोध है कि जल्द से जल्द मूनक में फायर स्टेशन बनाया जाए। मौके पर पूर्व मार्केट कमेटी के अध्यक्ष गुलाब सिंह, सरपंच ओम प्रकाश, पूर्व सरपंच हवा सिंह, होमगार्ड विनोद कुमार व सैकड़ों ग्रामीणों की सहायता से आग पर काबू किया गया। वहीं मौके पर पहुंचे पटवारी दिनेश

कुमार ने बताया कि आगजनी की घटना में गेहूं की फसल जली है। रिपोर्ट तैयार करके उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी और पीड़ित किसानों को मुआवजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा। मूनक थाना प्रभारी बृजपाल ने बताया कि आगजनी की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई थी। किसानों ने फायर किया ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही काबू पा लिया था। अन्यथा बड़ा नुकसान हो सकता था। मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को दे दी गई है। मामले की जांच की जा रही है।

आढ़तियों के विरोध के बाद हरकत में प्रशासन, घरौंडा मंडी में गेहूं खरीद शुरू कराने के निर्देश

घरौंडा, 9 अप्रैल (सतीश कुमार पंडित) : करनाल जिले की घरौंडा नई अनाज मंडी में गेहूं खरीद शुरू होने से नाराज आढ़तियों के विरोध प्रदर्शन के बाद जिला प्रशासन ने मामले में हस्तक्षेप करते हुए खरीद प्रक्रिया को पटरी पर लाने के निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद मंडी में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने और खरीद व्यवस्था सामान्य बनाने की कवायद तेज कर दी गई है। उपायुक्त के निर्देश पर एडीसी राहुल कुमार ने मंडी का दौरा कर अधिकारियों, आढ़तियों और संबंधित एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में मंडी में गेहूं खरीद, लिफ्टिंग, ट्रांसपोर्ट, गेटपास और आई-फॉर्म जनरेशन से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। एडीसी ने खाद्य आपूर्ति एजेंसी को रोस्टर के अनुसार तुरंत प्रभाव से खरीद शुरू करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों



और व्यापारियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। एडीसी राहुल कुमार ने बताया कि सरकार द्वारा खरीद का रोस्टर पहले ही जारी किया जा चुका है और सभी एजेंसियों को उसी के अनुसार कार्य करना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि खरीद में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंडी में गेहूं से भरी गाड़ियों के वजन को लेकर उन्होंने कहा कि प्राथमिकता सरकारी

कांटों को दी जाएगी, हालांकि आवश्यकता पड़ने पर नजदीकी प्राइवेट कांटों का भी उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने माना कि खरीद व्यवस्था की तैयारियों में कुछ कमियां रही हैं, जिन्हें तेजी से दूर किया जा रहा है। आईडी कई स्थानों पर खुलने के कारण गेटपास काटने में आ रही तकनीकी दिक्कतों को भी जल्द ठीक करने का आश्वासन दिया गया है। साथ ही प्रयास रहेगा कि मंडी से गेहूं

की लिफ्टिंग शीघ्र हो ताकि मंडी में जगह खाली होती रहे और किसानों को इंतजार न करना पड़े। मंडी प्रधान जयभगवान गोयल ने बताया कि आढ़तियों की सबसे बड़ी मांग खाद्य आपूर्ति एजेंसी द्वारा नियमित खरीद शुरू कराने की थी, जिस पर अब सहमति बन गई है। एजेंसी ने भरोसा दिलाया है कि वह प्रतिदिन खरीद करेगी और संबंधित निरीक्षक मौके पर मौजूद रहेंगे। बैठक में प्रशासन ने आढ़तियों से अपील की कि भविष्य में किसी भी समस्या की सूचना सीधे अधिकारियों को दें, ताकि समय रहते समाधान किया जा सके। प्रशासन का दावा है कि शाम तक ड्यूटी लगाने सहित अधिकांश व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएंगी और मंडी में खरीद प्रक्रिया पूरी तरह सामान्य हो।

लिवासा हॉस्पिटल्स ने कुरुक्षेत्र में ऑन्कोलॉजी ओपीडी शुरू की



कुरुक्षेत्र, 9 अप्रैल (करणदीप सिंह) : लिवासा हॉस्पिटल ने गुरुवार को कुरुक्षेत्र में एक समर्पित ऑन्कोलॉजी ओपीडी और आउटरीच कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। लिवासा के ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ, मेडिकल ऑन्कोलॉजी निदेशक डॉ. जतिन सरिन, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी निदेशक डॉ. मोनाक्षी मिश्रल और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी निदेशक डॉ. विजय बंसल, हर महीने के दूसरे और चौथे गुरुवार को कुरुक्षेत्र के बीएस हार्ट केयर हॉस्पिटल में ओपीडी के लिए उपलब्ध रहेंगे। कुरुक्षेत्र के बीएस हार्ट केयर हॉस्पिटल में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डॉ. जतिन सरिन ने इस बात पर जोर

दिया कि बिना किसी स्पष्ट कारण के वजन कम होना, लगातार थकान, गांठें या सूजन, असामान्य रक्तचाप, मल या मूत्र में खून आना और घावों का ठीक न होना जैसे लक्षणों को कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। क्योंकि शुरूआती पहचान से जीवित रहने की संभावना में काफी सुधार होता है। डॉ. विजय बंसल ने कहा कि सही चरण में की गई सर्जरी कई कैंसर में रोगमुक्त हो सकती है। लिवासा हॉस्पिटल्स, डॉ. अभिषेक गर्ग ने कहा कि कुरुक्षेत्र में विशेषज्ञ ऑन्कोलॉजी सेवाएं उपलब्ध कराने से मरीजों को घर के पास ही सुव्यवस्थित, निर्बाध और रोगी-केंद्रित देखभाल मिल सकेगी। इस दौरान निःशुल्क ऑन्कोलॉजी परामर्श शिविर का भी आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य शीघ्र जांच को प्रोत्साहित करना, कैंसर के चेतवनी संकेतों के बारे में जागरूकता फैलाना और समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना था।

गर्गौर लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर के दौरान प्राप्त हुई 5 शिकायतें



गर्गौर, 9 अप्रैल (ब्यूरो) : गर्गौर लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर के दौरान 5 शिकायतें प्राप्त हुईं। समाधान शिविर का आयोजन एसडीएम प्रवेश काद्यान की अध्यक्षता में किया गया। एसडीएम प्रवेश काद्यान ने पांचों शिकायतों पर सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान परिवार पहचान पत्र में गलत बिजली का मीटर दर्ज होने की शिकायत, जाति प्रमाण-पत्र बनवाने बारे, बिजली व पानी की शिकायतें प्राप्त हुईं। एसडीएम ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि वो निश्चित समय अवधि में सभी शिकायतों का समाधान किया जाए, जिससे शिकायतकर्ता को बार-बार सचिवालय के चक्कर न लगाने पड़े। इस दौरान एसीपी ऋषिकांत, तहसीलदार ललिता व अन्य विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

जिला की मंडियों में की जा चुकी है 3 हजार 374.1 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

सोनीपत, 9 अप्रैल (ब्यूरो) : उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि जिला की विभिन्न मंडियों में गेहूं की आवक व खरीद लगातार बढ़ती जा रही है। बुधवार देर सायंक तक जिला की विभिन्न मंडियों व खरीद केंद्रों में 03 हजार 374.1 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है। इस गेहूं को दो एजेंसियों द्वारा खरीद लिया गया है। उपायुक्त ने बताया कि जिला की मंडियों में पहुंचे 03 हजार 374.1 मीट्रिक टन गेहूं में से हैफेड द्वारा 02 हजार 726 मीट्रिक टन व हरियाणा वेयर हाउसिंग द्वारा 648.1 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। जिला की मंडियों में पहुंचे गेहूं में सोनीपत मण्डी में 2679.1 मीट्रिक टन गेहूं व गोहाणा मंडी में 695 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई है। उपायुक्त ने बताया कि 03 हजार 374.1 मीट्रिक टन गेहूं को 118 किसान लेकर आए हैं और गेहूं की खरीद 2585 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की गई है।

सुमन सैनी ने वयोवृद्ध स्वयंसेवक आनंद गोयल के निवास पर पहुंचकर उनका हालचाल जाना

लाडवा, 9 अप्रैल (रामगोपाल) : उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने वीरवार को लाडवा के मार्केट कमेटी के सदस्य अनुज गोयल के पिता वयोवृद्ध स्वयंसेवक आनंद गोयल के निवास पर पहुंचकर उनका हालचाल जाना। आनंद गोयल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बाल स्वयंसेवक रहे हैं और पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे हैं। इस मौके पर मार्केट कमेटी चेयरमैन डा. गणेश दत्त, नगर पालिका अध्यक्ष साक्षी खुराना, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अमरेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र दबखेड़ा, परमजीत कश्यप, अनिल, गुप्ता, अनुज गोयल, संजय, गर्ग, श्रवण कश्यप, अनिल माटा, पूनम सैनी, मोनिका गुप्ता, सनी कालड़ा भी मौजूद रहे।

एक भी शिकायत लंबित नहीं, अधिकारियों की तय होगी जवाबदेही : एसडीएम

नरवाना, 9 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : स्थानीय लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में प्रशासन ने जन समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर कड़ा रख अपनाया। एसडीएम जगदीश चंद्र ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविर आमजन की समस्याओं के निवारण का सबसे प्रभावी मंच है इसलिए यहां आने वाली हर शिकायत का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि किसी भी विभाग से संबंधित शिकायत लंबित रहना बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कोई मामला लंबित पाया गया तो संबंधित अधिकारी स्वयं जिम्मेदार होगा। एसडीएम ने कहा कि अक्सर शिकायतें एक से अधिक विभागों से जुड़ी होती हैं लेकिन अधिकारी जिम्मेदारी से बचने के बजाय सामूहिक प्रयास से समाधान निकालें। टाल-मटोल का रवैया पूरी तरह अस्वीकार्य है और इसे तुरंत बदला जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि यदि किसी समस्या के समाधान में विभागीय नियम बाधा बनते हैं तो अधिकारी मुख्यालय से मार्गदर्शन लें या अपने विवेक से ऐसा रास्ता निकालें जिससे नियम भी कायम रहें और आमजन को राहत भी मिल सके। इससे प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास मजबूत होता है। एसडीएम ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वयं समाधान शिविरों की मॉनिटरिंग कर रहे हैं और उनका स्पष्ट निर्देश है कि प्रदेश के हर नागरिक को इन शिविरों का पूरा लाभ मिले। वीरवार को मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न जिलों के अधिकारियों से सीधा संवाद कर समस्याओं के समाधान की समीक्षा की और शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए।

सड़क सुरक्षा फोर्स हर दिन कीमती जानें बचा रही है-गगन अजीत सिंह

मालेरकोटला, 9 अप्रैल (मोहन शर्मा) पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य सरकार लोगों की सुरक्षा और भलाई के लिए लगातार कदम उठा रही है। सड़क हादसों के दौरान घायलों को तुरंत मदद पहुंचाने और कीमती जानें बचाने के मकसद से पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई रोड सड़क सुरक्षा (स्स्क) पूरे राज्य में अहम भूमिका निभा रही है। यह जानकारी मालेरकोटला के सोनियर सुपरिटेण्डेंट ऑफ पुलिस (स्स्क) गगन अजीत सिंह ने शेर्य की। गगन अजीत सिंह ने कहा कि रोड सेफ्टी फोर्स के एक्टिव होने से सड़क हादसों के दौरान तुरंत मदद पहुंचाने में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि स्स्क की टीमों लगातार हाईवे और मैन सड़कों पर पेट्रोलिंग करती हैं और जैसे ही किसी हादसे या इमरजेंसी की जानकारी मिलती है, टीम तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों को फर्स्ट एड देती है और अगर जरूरत पड़ती है, तो उन्हें तुरंत पास के हॉस्पिटल ले जाती है। जानें बचाई जा सकती हैं। रोड सेफ्टी फोर्स इसी मकसद को ध्यान में रखते हुए लोगों की सेवा के लिए लगातार तैयार है।

बीवीएम स्कूल में नर्सरी के बच्चों ने अनुभव किया सीख और कल्पना का अदभूत संगम

बरनाला, 9 अप्रैल (कपिल गर्ग) बीवीएम इंटरनेशनल स्कूल में नर्सरी कक्षा के नन्हे विद्यार्थियों के लिए एक अत्यंत रोचक और मनमोहक स्टोरी टाइम सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों को कहानियों के माध्यम से सीखने और कल्पना करने का अनूठा अवसर प्रदान किया गया। यह आयोजन बच्चों की जिज्ञासा, रचनात्मकता और भाषा विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया था। कार्यक्रम के दौरान कक्षा का वातावरण एकदम जीवंत और आकर्षक बना दिया गया। रंग-बिरंगे चित्रों, भाव-भंगिमाओं और रोचक अंदाज में शिक्षकों ने बच्चों को कहानी सुनाई, जिससे बच्चे पूरी तरह उसमें खो गए। विद्यालय के प्रबंधन ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रारंभिक शिक्षा में कहानियों का विशेष महत्व होता है।



निखिल अरोड़ा जी एवं श्रीमती नेहुल अरोड़ा जी ने भी अपने संदेश में कहा कि इस प्रकार के सत्र बच्चों के बौद्धिक और भावनात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय भविष्य में भी ऐसे नवाचारपूर्ण प्रयासों को जारी रखेगा, जिससे बच्चों को सीखने का आनंददायक वातावरण मिल सके। इसके पश्चात विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती मनिंदरजीत कौर धालीवाल जी ने अपने संबोधन में कहा कि कहानी सुनना और समझना बच्चों के भाषा विकास की पहली सीढ़ी है। इससे उनकी कल्पनाशक्ति और अभिव्यक्ति दोनों का विकास होता है। उन्होंने

शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके सृजनात्मक दृष्टिकोण से ही इस प्रकार के प्रभावशाली सत्र संभव हो पाते हैं। पूरे आयोजन के दौरान बच्चों के चेहरों पर उत्सुकता, आनंद और आश्चर्य के भाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिए। वे कहानी के प्रत्येक मोड़ को ध्यान से सुनते हुए उसमें पूरी तरह से डूबे हुए नजर आए। इस प्रकार, बीवीएम इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित यह स्टोरी टाइम सत्र नन्हे विद्यार्थियों के लिए न केवल मनोरंजक रहा, बल्कि उनके सर्वांगीण विकास को दिशा में एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक कदम भी सिद्ध हुआ।

आर्यभट्ट कालेज बरनाला में एनएसएस द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

बरनाला, 9 अप्रैल (बघेल सिंह धालीवाल) एन.एस.एस. विभाग द्वारा 7 अप्रैल 2026 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना और उन्हें स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था इस अवसर पर मानसिक

स्वास्थ्य विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन, भावनात्मक संतुलन बनाए रखने तथा स्वस्थ तरीकों से जीवन की चुनौतियों का सामना करने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर

अपने विचार भी साझा किए। इस कार्यक्रम की संयोजक एवं मुख्य वक्ता असिस्टेंट प्रोफेसर डिंपी कौर रहैं। महत्व, सकारात्मक सोच और संतुलित जीवन जीने की जरूरत पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर खुलकर बात करने और आवश्यकता पड़ने पर सहायता लेने के लिए प्रेरित किया।

उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने श्रवण गर्ग की पत्नी के निधन पर व्यक्त किया शोक



लाडवा, 9 अप्रैल (रामगोपाल) : हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने लाडवा में श्रवण गर्ग की पत्नी के निधन पर गहरा शोक जताया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। उपाध्यक्षा सुमन सैनी वीरवार को

लाडवा में श्रवण गर्ग के निवास पर पहुंची। इसके बाद गांव बण में रमेश कुमार घर पहुंच पर उसके 20 वर्षीय पौत्र पार्थ का सड़क दुर्घटना के कारण हुए निधन पर शोक जताया। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने गांव बण में सड़क दुर्घटना के कारण 40 वर्षीय दलजीत के निधन और बण निवासी प्रवेश की पुत्रवधू के निधन पर भी

शोक प्रकट करते हुए संवेदना व्यक्त की। उपाध्यक्षा सुमन सैनी ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान इन दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे और परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

उन्होंने शोक संतप्त परिवार को इस दुःख की घड़ी में धैर्य और संबल प्रदान करने की कामना की है। इस मौके पर मार्केट कमेट्री चेयरमैन डा. गणेश दत्त, नगर पालिका अध्यक्ष साक्षी खुराना, मंडल अध्यक्ष शिव गुप्ता, परमजीत कश्यप, अजय कुमार, अश्वनी कुमार, सुरेंद्र शर्मा, गुरमेज कश्यप, विशाल शर्मा, पूतम सैनी, मौनिका गुप्ता, सत्री कालड़ा भी मौजूद रहे।

भारत विकास परिषद केशव शाखा नरवाना की पहली आम बैठक में बड़े फैसले, सेवा व संस्कार के प्रकल्पों को मिली नई दिशा

नरवाना, 9 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : भारत विकास परिषद, केशव शाखा नरवाना की नई कार्यकारिणी द्वारा आयोजित प्रथम आम बैठक बेहद उत्साहपूर्ण व प्रभावशाली माहौल में सम्पन्न हुई। बैठक में पदाधिकारियों व सदस्यों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को गरिमामय बना दिया। बैठक का शुभारंभ सचिव नाथुराम गोयल ने विधिवत रूप से किया। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रदीप गर्ग व कोषाध्यक्ष अभिनव गुप्ता ने नई कार्यकारिणी के सदस्यों का परिचय करवाते हुए उन्हें विभिन्न गतिविधियों की जिम्मेदारियां सौंपीं। सदस्यों ने तालियों की गूँज के साथ सभी का उत्साहवर्धन किया। बैठक में परिषद के प्रमुख प्रकल्पों जैसे संस्कार, सेवा, संपर्क, पर्यावरण व महिला सशक्तिकरण से जुड़ी गतिविधियों के



संयोजकों की जिम्मेदारियां निर्धारित की गईं, जिससे संगठनात्मक कार्यों को और अधिक गति मिलेगी। इस दौरान कई महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। आगामी 12 अप्रैल 2026 को खाटू श्याम मंदिर, पतराम नगर में भव्य कीर्तन आयोजन का निर्णय लिया गया। इसके अलावा वर्ष भर सदस्यों की वर्षगांठ मनाने एनीमिया व आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने, गोकास्ट मशीन प्रोजेक्ट को सुचारू रूप से चलाने तथा 10

जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा का दायित्व उठाने का संकल्प लिया गया। बैठक में यह भी तय किया गया कि प्रत्येक माह एक आम बैठक किसी न किसी सदस्य के निवास स्थान पर आयोजित की जाएगी। अगली बैठक मई माह के प्रथम रविवार को नाथुराम गोयल के निवास पर होगी। परिषद परिवार ने सभी सदस्यों के सहयोग व सहभागिता के लिए आभार व्यक्त करते हुए समाज सेवा के कार्यों को, और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

तत्परा से काबू कर लिया। पूछताछ में संदिग्ध को पहचान विशाल राजौंद के रूप में हुई। पुलिस सूचना उपरांत मौके पर पहुंची ईटीओ कंचन पांड्या के समक्ष ली गई तलाशी के दौरान आरोपी की पैंट की जेब में एक पॉलीथिन से 7.24 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना गजौंद में मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एसआई महिपाल द्वय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

राजौंद, 9 अप्रैल (नरेश कुमार) : नशा मुक्त हो जिला मुहिम तहत एसपी मनप्रोत सिंह सूदन के आदेशानुसार नशा तस्करो पर कैथल पुलिस द्वारा लगातार शिकंजा कसा जा रहा है। इसी कड़ी में एंटी नारकोटिक सैल द्वारा नशा तस्करो को काबू किया गया है। एंटी नारकोटिक सेल के एसएसआई रोहताश की टीम अपराध की रोकथाम हेतु गश्त पर थी। इसी दौरान महाराणा प्रताप चौक राजौंद के पास एक

विश्वसनीय गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि वार्ड नं 4 राजौंद निवासी विशाल हेरोइन (चिट्टा) का नशा करने व बेचने का कार्य करता है और बस अड्डा राजौंद के पास किसी के इंतजार में खड़ा है। सूचना को विश्वसनीय होने के कारण तुरंत रेडिंग पार्टी गठित कर बताए गए बस अड्डा राजौंद के पास दबिशा दी गई। मौके पर एक संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, जिसे टीम ने

भाजपा सरकार किसान हितैषी, किसानों के साथ हर कदम पर खड़ी : सतीश गोयल

निसिंग, 9 अप्रैल (जोगिंद्र सिंह) : भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता व आढ़ती सतीश गोयल ने कहा कि केंद्र व प्रदेश की भाजपा सरकार पूरी तरह किसान हितैषी है और किसानों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किसानों की फसलों की खरीद, भुगतान और सुविधाओं को लेकर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। सतीश गोयल ने बताया कि मंडियों में गेहूँ की खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से चल रही है। किसानों को गेट पास से लेकर तुलाई और



भुगतान तक हर स्तर पर पारदर्शिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों के चलते किसान मजबूत हो रहा है और उसे उसकी फसल का उचित मूल्य मिल

रहा है। उन्होंने आगे कहा कि मौसम की चुनौतियों के बावजूद सरकार पूरी तरह सतर्क है और अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि किसानों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न

आने दी जाए। भाजपा सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उनकी आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए निरंतर प्रयासरत है। गोयल ने बताया कि पिछले दो दिनों से हो रही हल्की बूंदाबांदी के बाद अब मौसम पूरी तरह साफ हो गया है और तेज धूप निकलने से किसानों को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि खराब मौसम के कारण किसान काफी परेशान थे, लेकिन अब हालात सामान्य होते ही खेतों में कंबाइन मशीनों फिर से चल पड़ी हैं और किसान तेजी से अपनी गेहूँ की फसल मंडियों में लेकर पहुंच रहे हैं। मंडी में गेट पास बनने की

प्रक्रिया भी सुचारू रूप से जारी है और गेहूँ की खरीद कार्य भी शुरू हो चुका है, जिससे किसानों के चेहरे पर राहत साफ नजर आ रही है। सतीश कुमार गोयल ने बताया कि भाजपा सरकार में कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी और सभी व्यवस्थाएं बेहतर तरीके से की जा रही हैं। हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि बायोमेट्रिक प्रक्रिया में कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस मुद्दे पर उन्होंने सरकार से जल्द संज्ञान लेने और व्यवस्था को सल बनाने की मांग की है, ताकि किसानों को किसी तरह की असुविधा न हो।

फायर कर्मचारियों की हड़ताल नरवाना मे दूसरे दिन भी जारी, मांगें पूरी न होने पर अनिश्चितकालीन आंदोलन की चेतावनी

नरवाना, 9 अप्रैल (नरेन्द्र कुमार) : नगर पालिका कर्मचारी संघ शाखा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबंधित की हड़ताल गुरुवार को दूसरे दिन भी जारी रही। अग्निशमन कार्यालय में धरने पर बैठे कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। ब्लॉक नरवाना प्रधान राजा सिंह गुरथली ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि 16 फरवरी 2026 को फरौदाबाद स्थित कालका

केमिकल स्टील कंपनी में लगी भीषण आग में दो फायर कर्मचारी भवो चंद्र शर्मा और रणवीर सिंह शहीद हो गए थे।

उन्होंने सरकार से मांग की कि शहीद कर्मचारियों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को स्थायी नौकरि तथा शहीद का दर्जा दिया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने और फायर कर्मचारियों को समान काम, समान वेतन लागू करने की



भी मांग उठाई। उन्होंने बताया कि आज कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल द्वारा संगठन को वार्ता के लिए

बुलाया गया है। यदि मांगें मान ली जाती हैं तो संगठन के निर्देशानुसार हड़ताल समाप्त कर दी जाएगी

अन्यथा आंदोलन अनिश्चितकालीन जारी रहेगा। धरने को समर्थन देते हुए सफाई कर्मचारी संघ के प्रधान बंटी बेदी ने कहा कि यदि फायर कर्मचारियों की मांगों को नजरअंदाज किया गया तो सफाई कर्मचारी भी हड़ताल पर उतरने को मजबूर होंगे। धरने में पवन कुमार, विनोद कुमार, रामनिवास, जयभगवान, सुभाष चंद, सत्यवान नैन, सोहन लाल, कमलजीत, प्रवीण कुमार, जोगिंद्र सिंह सहित अनेक फायर कर्मचारी मौजूद रहे।

डीसी ने किया विस्तार अनाज मंडी का दौरा, खरीद प्रक्रिया का लिया जायजा

कैथल, 9 अप्रैल (सुरेंद्र कुमार) : डीसी अपराजिता ने बुधवार को विस्तार अनाज मंडी का दौरा किया और खरीद प्रक्रिया का जायजा लिया। उन्होंने मंडी परिसर में सड़कों की स्थिति का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को तुरंत मरम्मत और



उन्होंने सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए मंडी के मुख्य गेट पर स्थापित कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया और अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए। साथ ही कंट्रोल रूम को बेहतर स्थान पर शिफ्ट करने के भी निर्देश दिए, ताकि निगरानी व्यवस्था और अधिक मजबूत हो सके। डीसी

अपराजिता ने कहा कि सरकार की प्रार्थमिकता है कि किसानों की फसल की समय पर खरीद, उठान और भुगतान हो, इसी लक्ष्य को लेकर कार्य किया जाए। इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडी में यातायात व्यवस्था सुचारू रखी जाए और फसल की तुलाई, साफ-सफाई, पेयजल, बिजली, किसानों के बैठने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। खरीद प्रक्रिया के दौरान किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं चौक चौबंद रखें। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि मंडी में यदि गेहूँ की अधिक आवक होती है तो अधिकारी पहले से ही जगह चिन्हित करके रखें, जहां उस गेहूँ को रखा जा सके। भंडारण के दौरान

गेहूँ खराब नहीं होना चाहिए। सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित किया जाए। डीसी अपराजिता ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी फसल को अच्छी तरह सुखाकर ही मंडी में लेकर आएँ, जिससे नमी की समस्या से बचा जा सके और खरीद प्रक्रिया सुचारू रूप से चलती रहे। उन्होंने कहा कि फसल में अधिक नमी होने से खरीद में देरी होने की संभावना होती है। निरीक्षण के दौरान उनके साथ डीएफएससी वरिंद्र सिंह, मंडी सचिव नरेंद्र दुल, डीएमईओ अभिनव वालिया सहित अन्य खरीद एजेंसियों के अधिकारी मौजूद रहे।

प्लास्टिक मुक्त घरौंडा अभियान में नगर पालिका का बड़ा कदम

अध्यक्ष हैप्पी लक गुप्ता व सचिव रवि प्रकाश शर्मा ने नागरिकों से की सहयोग की अपील

घरौंडा, 9 अप्रैल (सतीश कुमार पंडित) : नगर पालिका घरौंडा द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। स्वच्छ घरौंडा-हरित घरौंडा के संकल्प के साथ नगर पालिका ने शहरवासियों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए कपड़े के थैले वितरित किए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। नगर पालिका अध्यक्ष हैप्पी लक गुप्ता ने कहा कि प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग पर्यावरण के लिए गंभीर

खतरा बन चुका है। उन्होंने कहा कि यदि हम आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण देना चाहते हैं तो आज से ही प्लास्टिक का उपयोग बंद करना होगा। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि खरीदारी के समय कपड़े के थैलों का प्रयोग करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। नगर पालिका सचिव रवि प्रकाश शर्मा ने कहा कि नगर पालिका द्वारा शहर को स्वच्छ एवं प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक न केवल नालियों और



सीवेज व्यवस्था को प्रभावित करता है, बल्कि पशुओं और पर्यावरण के लिए हानिकारक है। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास सभी सफल

प्रजापति, भाई अश्विनी राणा, पार्षद प्रतिनिधि भाई पंकज गुलाटी, जेसीआई घरौंडा प्रधान भाई अजय गुप्ता, भाई गगनदीप विग सहित नगर पालिका अधिकारी एवं शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी नागरिकों से प्लास्टिक का बहिष्कार कर स्वच्छता अभियान में सहभागी बनने की अपील की। नगर पालिका ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे ताकि घरौंडा को स्वच्छ, सुंदर और पूर्णतः प्लास्टिक मुक्त शहर बनाया जा सके।

सांसद नवीन जिन्दल ने पैरा राइफल शूटर रीना रानी की उपलब्धियों की सराहना कर बढ़ाया हौसला

कुरुक्षेत्र, 9 अप्रैल (करणदीप सिंह) : पैरा राइफल शूटर रीना रानी अपने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर जीते हुए स्वर्ण, रजत व कांस्य पदक लेकर सांसद नवीन जिन्दल से मिली। रीना रानी ने सांसद नवीन जिन्दल को अपनी उपलब्धियों और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राइफल शूटिंग में देश का नाम ऊंचा करने के लक्ष्य से भी अवगत कराया। रीना ने सांसद नवीन जिन्दल को, अपना खेल जारी रखने और अच्छे परिणाम लाने के लिए आर्थिक सहायता का भी मांगपत्र सौंपा। सांसद



नवीन जिन्दल ने रीना रानी के जन्मे, लगेन और कठिन मेहनत को प्रशंसा

करते हुए कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी युवाओं के लिए प्रेरणा का

स्रोत हैं। सीमित संसाधनों और शारीरिक कठिनाई के बावजूद रीना ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वह सराहनीय हैं और यह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर सांसद ने यह भी संज्ञान लिया कि रीना रानी को अपने खेल को आगे बढ़ाने के लिए आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने तुरंत सहायता का आश्वासन देते हुए कहा कि प्रतिभा संसाधनों के अभाव में रुकनी नहीं चाहिए। सांसद नवीन जिन्दल की टीम द्वारा शीघ्र ही

रीना की आवश्यकताओं का विस्तृत अध्ययन किया जाएगा और उसे आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वह राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर देश का नाम ऊंचा कर सके। उल्लेखनीय है कि सांसद नवीन जिन्दल स्वयं एक खिलाड़ी हैं। युवाओं को नशे से दूर करने और खेलों के प्रति उत्साहित करने के लिए हमेशा आगे रहते हैं। उनका प्रयास है कि अधिक से अधिक संख्या में युवा खेलों से जुड़े और स्वस्थ जीवन शैली को अपनाएं।

10 रोगियों का करवाया गया डायलिसिस

शाहाबाद मारकंडा, 9 अप्रैल (रूबी) : इन्टरचील क्लब द्वारा गुर्दा रोगियों के लिए एक डायलिसिस सहायता कार्यक्रम का आयोजन किया। यह जानकारी देते हुए क्लब की प्रधान रेनु वधवा ने बताया कि परिवार कल्याण स्वास्थ्य एवं समुदाय पहल के अंतर्गत सामुदायिक सेवा के प्रति समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के गुर्दा रोगियों के लिए यह डायलिसिस सहायता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि लाडवा रोड़ स्थित सिद्धार्थ अस्तपाल में क्लब द्वारा डॉ. दीपक शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में कुल 10 रोगियों का डायलिसिस किया गया। उन्होंने कहा कि क्लब अपने उद्देश्य को पूरा करते हुए जरूरतमंदों की हर संभव सहायता कर रहा है। गरीब बच्चों की पढ़ाई में सहायता, जूते, जर्सियां, स्टेशनरी, कूट रोगियों के लिए भोजन, फल, कपड़े आदि देना जैसे प्रकल्प निरंतर किए जा रहे हैं। डायलिसिस करवाने के लिए रोगियों ने आई.डब्ल्यू.सी. के सदस्यों के सहयोग के लिए साधुवाद दिया।

करते हुए कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी युवाओं के लिए प्रेरणा का



राजधानी में पीसीआर वैन का आधुनिकीकरण होगा

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) दिल्ली पुलिस ने सभी 857 पीसीआर वैन पर डैशकैम लगाने पर डैशकैम और पुलिसकर्मियों को बाँडी-वॉन कैमरे लगाने का फैसला किया है। इसका उद्देश्य अपराध स्थल पर घटनाओं को रिकॉर्ड करना, सबूतों की कमी को दूर करना और जांच प्रक्रिया को तेज करना और पुलिसकर्मियों को तेज करना है। पहले चरण में 300 डैशकैम और बाँडीकैम लगाए जाएंगे। अब दिल्ली पुलिस की पीसीआर वैन अपराध स्थल पर पहुंचते ही हर घटना को रिकॉर्ड करने लगेगी। दिल्ली पुलिस के कंट्रोल रूम (पीसीआर) यूनिट ने

बड़ा फैसला लेते हुए सभी 857 पीसीआर वैन पर डैशकैम लगाने और हर वैन इंचार्ज को यूनिफॉर्म पर बाँडी वॉन कैमरा देना तय किया है। इस कदम का मुख्य उद्देश्य अपराध स्थल पर सबूतों की कमी को पूरा करना, जांच प्रक्रिया को तेज करना और पुलिसकर्मियों को झूठे आरोपों से बचना है। पहले चरण में 300 डैशकैम और 300 बाँडीकैम की खरीद का प्रस्ताव को भेज दिया गया है। यह पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू होगा। बाकी बचे 557 वैन और उनके इंचार्ज

को एक या दो अतिरिक्त चरणों में कैमरों से लैस किया जाएगा। टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है। पीसीआर वैन आपातकालीन कॉल मिलते ही सबसे पहले घटनास्थल पर पहुंचती हैं। जांच अधिकारी (आईओ) और फॉरेंसिक टीम उनसे 10 से 15 मिनट बाद पहुंचती हैं। इस देरी में कई बार सबूत नष्ट हो जाते हैं या घटनास्थल से छेड़छाड़ हो जाती है। डैशकैम घटनास्थल की पूरी तस्वीर कैद करेंगे, जबकि बाँडीकैम रियल-टाइम बातचीत और इंटरैक्शन रिकॉर्ड करेंगे।

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और यमुना बाजार घाट का निरीक्षण किया। उन्होंने यमुना सफाई, विकास कार्यों और मानसून तैयारियों की समीक्षा की। यमुना पुनर्जीवन में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का सहयोग लिया जाएगा। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू पदभार ग्रहण करने के बाद पिछले लगभग एक माह से दिल्ली के विभिन्न स्थानों पर जाकर जनता से संवाद कर रहे हैं। दिल्लीवासियों ने उनसे वायु प्रदूषण, दूषित यमुना, गर्मी में जल संकट और मानसून में जलभराव की समस्या को लेकर

हिरासत में मौतों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्रीय गृह सचिव को किया तलब

नई दिल्ली, 9 अप्रैल (निस) सुप्रीम कोर्ट ने देश में बढ़ते कस्टोडियल डेथ (हिरासत में मौत) के मामलों और पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने इस मामले में केंद्रीय गृह सचिव को मंगलवार 7 अप्रैल को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस सनदीप मेहता की पीठ ने सुनवाई के दौरान सीसीटीवी कैमरों की खराब स्थिति और निगरानी प्रणाली में कमी पर गंभीर चिंता जताई। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि देशभर में थानों में कैमरों की स्थिति संतोषजनक नहीं है और कई जगह कैमरे या तो लगे ही नहीं हैं या काम नहीं कर रहे हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने सुझाव दिया कि अन्य राज्यों को केरल के मॉडल से सीख लेनी चाहिए, जहां पुलिस थानों में सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था अपेक्षाकृत बेहतर मानी जाती है। कोर्ट ने पूछा कि जब एक राज्य इस व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू कर सकता है, तो बाकी राज्यों में ऐसा क्यों नहीं हो सकता। यह मामला अदालत द्वारा स्वतः संज्ञान (सुओ मोटू) के तहत उठाया गया है, जिसमें देशभर के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना और उनकी कार्यशीलता की समीक्षा की जा रही है। कोर्ट ने हाल ही में चीनी निर्मित सीसीटीवी कैमरों को हटाने की खबरों पर भी केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है।

सीजफायर के बाद भारत को उम्मीद फंसे 16 जहाज जल्द निकलेगे होर्मुज से

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) भारत सरकार की ओर से दी गई आधिकारिक जानकारी के मुताबिक अभी भी फारस की खाड़ी में भारत के 16 जहाज फंसे हुए हैं। इतना ही नहीं उन भारतीय झंडे वाले जहाजों पर 433 नाविक भी करीब 40 दिनों से फंसे हैं। अब अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्तों के युद्ध विराम हो चुका है, इसलिए इनके वहां से जल्द कूच करने की एक नई उम्मीद जगी है। भारतीय जहाजों का अपने देश आना इस पर निर्भर करेगा कि ईरान कितनी जल्दी उन्हें होर्मुज जलडमरूमध्य से जाने की अनुमति देता है। आमतौर पर किसी भी मर्चेंट शिप को फारस की खाड़ी से भारत के पश्चिमी तटों पर मौजूद मुंबई, मुंद्रा, कांडला, कोच्चि या मंगलुरु बंदरगाहों तक पहुंचने में तीन से

सात दिन लगते हैं। यह जहाजों के आकार, भार और उनकी स्पीड पर निर्भर करता है। मतलब, जिस दिन से ईरान,ओमान के साथ मिलकर सीजफायर के अनुसार जहाजों को गुजरने की अनुमति देगा, उन्हें भारत पहुंचने में 3 से एक 1 तक का समय लग सकता है। अब सवाल है कि ईरान इसकी शुरुआत कब से करता है, क्योंकि सीजफायर को लेकर उसका जो बयान आया है, उससे साफ है कि वह शर्तों के आधार पर ही इसकी इजाजत देगा, जैसा कि वह पहले करता आया है। दो हफ्तों की अवधि के लिए ईरान की सशस्त्र सेना के साथ समन्वय के द्वारा और तकनीकी सीमाओं को ध्यान में रखकर होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित यात्रा मुमकिन हो सकेगी। मतलब, ईरान का दो टूक कहना है कि सीजफायर के बावजूद होर्मुज

विधानसभा चूक मामले की ये रही टाइमलाइन

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। अब इस मामले में एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। सूत्रों से पता चला है कि पकड़े गए आरोपी ने इस घटना से पहले दिल्ली विधानसभा की रेकी की थी। वहीं, अब घटना की टाइमलाइन सामने आई है। दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। अब इस मामले में एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है। सूत्रों से पता चला है कि पकड़े गए आरोपी ने इस घटना से पहले दिल्ली विधानसभा की रेकी की थी। बताया जा रहा है कि पूरी तरह से रेकी करने के बाद बेहद सुनियोजित तरीके से इस घटना को अंजाम दिया गया। वहीं घटना को किस मकसद से अंजाम दिया गया, इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। वहीं, घटना की टाइमलाइन सामने आई है। सूत्रों से पता चला है कि आरोपी ने महज 5 से 10 मिनट के भीतर वारदात को अंजाम देकर वहां से निकल गया। सूत्रों के अनुसार, आरोपी को दिल्ली विधानसभा स्पीकर के हर कदम की जानकारी थी। आरोपी ने विधानसभा स्पीकर के प्रवेश के महज 2 मिनट के भीतर गेट नंबर 2 तोड़कर अंदर प्रवेश किया था। हैरानी की बात यह है कि वह सीधे स्पीकर की गाड़ी तक पहुंच गया और करीब 2 मिनट तक कार के अंदर मौजूद रहा।

बंगाल में भाजपा जीतेगी-मोदी

पृष्ठ एक का शेष ... सुनिश्चित कर सकती है। इससे पहले आज सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम, केरल और पुडुचेरी के मतदाताओं से विधानसभा चुनावों में बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने गुरुवार को एक्स पर तीनों राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनावों के लिए अलग-अलग संदेश में लोगों से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की। असम के लिए उन्होंने लिखा कि असम विधानसभा चुनाव 2026 के लिए मतदान शुरू होने के साथ ही, मैं असम की जनता से अपील करता हूँ कि वे बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करें। मुझे उम्मीद है कि राज्य के युवा और महिला मतदाता उत्साहपूर्वक भाग लेंगे और इस चुनाव को लोकतंत्र एवं जन कर्तव्य का उत्सव बनाएंगे। उन्होंने पुडुचेरी के लिए लिखा कि पुडुचेरी विधानसभा चुनाव शुरू होने के उपलक्ष्य में, मैं सभी मतदाताओं से अपील करता हूँ।

तीन राज्यों में मतदान संपन्न ...अपने भविष्य के जनप्रतिनिधियों को चुनने के लिए मतदान केंद्रों पर पहुंच रहे हैं।

केरल की 140 सीटों पर एक ही चरण में मतदान हो रहा है, जिसमें 883 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। राज्य में कुल 2.71 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। यहाँ राजनीतिक लड़ाई तीन मोर्चों पर केंद्रित है- एलडीएफ सत्ता में तीसरी बार वापसी की कोशिश कर रहा है, यूडीएफ अपनी खोई जमीन को वापस पाने का प्रयास कर रहा है, जबकि एनडीए राज्य में अपना पहला चुनावी खता खोलने की उम्मीद लगाए बैठा है।

जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही शर्तों के आधार पर तय होगी। यह लाइन उसकी नई नहीं है और जब उसने सिर्फ भारत सहित पांच मित्र राष्ट्रों (रूस, इराक, चीन और पाकिस्तान) के जहाजों को गुजरने की घोषणा की थी, तब भी ऐसी ही शर्तें लगाई थीं। जबकि, अमेरिकी राष्ट्रपति और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से सीजफायर की घोषणा के साथ होर्मुज स्ट्रेट खोलने जो दावे किए गए हैं, वहाँ पूरी तरह से अलग हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति की असिस्टेंट और व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लेविट ने दावा किया है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खुलवा दिया। इससे पहले जो रिपोर्ट थी, उसके अनुसार ईरान होर्मुज से जहाजों के गुजरने देने के लिए जो प्रोटोकॉल बना रहा है, उसमें कई तरह की शर्तें होनी हैं। इसमें प्रति जहाज 2 मिलियन डॉलर का टोल लेना भी शामिल है।

युद्धविराम पर खतरा..

पृष्ठ एक का शेष ...उसने बेरूत में हिस्जुल्लाह के एक बड़े नेता के करीबी सहयोगी अली युसुफ हर्शी को मार गिराया है। इसके अलावा, दक्षिणी लेबनान में हथियारों के ठिकानों और स्प्लॉई रूट्स को भी निशाना बनाया गया है। इज़राइल का कहना है कि लेबनान में उसकी कार्रवाई जारी रहेगी, क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच हुए सीजफायर में लेबनान शामिल नहीं है। इस बात को अमेरिकी उपराष्ट्रपति छ्त्र ड्यूड्डेन ने भी स्पष्ट किया है कि ऐसा कोई वादा नहीं किया गया था। इस बीच, इज़राइल की कार्रवाई से लेबनान में हालात और खराब हो गए हैं। लगातार हमलों के कारण वहां भारी जनहानि और तबाही की खबरें सामने आ रही हैं।

इज़राइल का तीखा हमला- पाकिस्तान पर भरोसा नहीं अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली अहम शांति वार्ता से पहले बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। भारत में इज़राइल के राजदूत रुबेन अज़ार ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें पाकिस्तान पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देने वाला देश है, इसलिए उस पर भरोसा करना मुश्किल है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इज़राइल इस मामले में अपने अमेरिकी सहयोगियों पर निर्भर करेगा। दरअसल, पाकिस्तान इस समय अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है और इस्लामाबाद में दोनों देशों के बीच अहम बातचीत होने वाली है। इस बैठक का मकसद हाल ही में हुए दो हफ्ते के सीजफायर को मजबूत करना और स्थायी शांति का रास्ता निकालना है।

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद, नोएडा और पूर्वी दिल्ली के वाहन चालकों को जल्द ?मिलेगी राहत

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) गाजियाबाद, नोएडा और पूर्वी दिल्ली के वाहन चालकों को जल्द ही राहत मिलने वाली है। प्रगति मैदान टनल का आखिरी हिस्सा जल्द चालू होगा, जिससे शाम के समय भैरों मार्ग और रिंग रोड पर लगने वाले लंबित ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलेगी। भारतीय रेलवे ने इस अंडरपास को नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) दे दिया है, जिसके बाद बचा हुआ निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। भैरों मार्ग पर बनी टनल अभी पूरी तरह तैयार नहीं है। रिंग रोड से भैरों मार्ग और भैरों मार्ग से रिंग रोड जाने वाले ट्रैफिक को दो हिस्सों में बांटकर चलाया जा रहा है। शाम के समय दिल्ली की ओर से गाजियाबाद और नोएडा जाने वाले वाहन भैरों मार्ग पर फंस जाते हैं, जिससे लंबा जाम लगता है। टनल का ऊंचाई और चौड़ाई हल्की वाहनों के अनुसार बनाई गई है, ताकि ट्रैफिक आसान हो सके। टनल के ऊपर रेलवे का ब्रिज है। तकनीकी कारणों से निर्माण को बीच में रोका गया था। रेलवे की एनओसी मिलने के बाद अब अंडरपास का बचा हुआ काम पूरा किया जाएगा। यह प्रगति मैदान इंटीग्रेटेड कॉरिडोर प्रोजेक्ट का आखिरी हिस्सा है, जिसके बनने से ट्रैफिक जाम में काफी कमी आएगी। अंडरपास बनने के बाद रिंग रोड और भैरों मार्ग पर लगने वाले जाम कम होंगे।

शहरीकरण की रफ्तार में गुम हो रही दिल्ली की ग्रामीण विरासत

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) दिल्ली में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण गांवों की संस्कृति और रीति-रिवाज लुप्त हो रहे हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए, एमसीडी ने दिल्ली के 100 गांवों की विरासत, इतिहास और महत्वपूर्ण स्थलों का अध्ययन शुरू किया है। ऐसे में एमसीडी ने दिल्ली के गांवों की संस्कृति और रीति रिवाजों के साथ गांवों के महत्वपूर्ण स्थलों का अध्ययन शुरू किया है। तय किए गए 100 में 25 गांवों का अध्ययन पहले चरण में शुरू हो गया है। जहां पर एमसीडी की हेरिटेज सेल के शोधकर्ता गांव-गांव जाकर अध्ययन कर रहे हैं और वहां से तथ्य जुटा रहे हैं।

दरभंगा सुपरफास्ट और दुरंतो एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों लेट, दिल्ली पैसंजर ने भी किया परेशान

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) दिल्ली पहुंचने वाली दरभंगा-नई दिल्ली सुपरफास्ट और भुवनेश्वर-नई दिल्ली दुरंतो एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों घंटों देरी से चल रही हैं। वापसी में भी कुछ ट्रेनों के प्रस्थान समय में बदलाव किया गया है। दरभंगा-नई दिल्ली सुपरफास्ट विशेष लगभग छह घंटे, भुवनेश्वर-नई दिल्ली दुरंतो एक्सप्रेस लगभग ढाई घंटे, पुरी-योगनगरी ऋषिकेश लगभग सवा पांच घंटे के विलंब से अपने गंतव्य पर पहुंच। देरी से दिल्ली पहुंचने के कारण वापसी दिशा में कुछ ट्रेनों के प्रस्थान समय में बदलाव किया गया है। नई दिल्ली-दरभंगा सुपरफास्ट विशेष सवा दो घंटे, नई दिल्ली-भुवनेश्वर दुरंतो एक्सप्रेस दो घंटे के विलंब से रवाना होगी।

अमृतपाल सिंह प्रिंटर, पब्लिशर व संपादक ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए आईजी प्रिंटर्स प्रालिमि, 104, डीएसआईडीसी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 के मालिक/कीपर जगपाल सिंह से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा 24/34 तिलक नगर नई दिल्ली से प्रकाशित किया।

PRGI (RNI) Regd. No.57282/1994

बैसाखी के अवसर पर पाक यात्रा के लिए श्रद्धालुओं को तीजा जारी-हरमीत कालका

नई दिल्ली 9 अप्रैल (अमृतपाल) दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका ने आज यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए बैसाखी के पावन अवसर पर पाकिस्तान स्थित ऐतिहासिक गुरुधामों के दर्शन के लिए जाने वाले सभी श्रद्धालुओं और आवेदकों को दिल से बधाई दी। उन्होंने कहा कि जिन श्रद्धालुओं ने अपनी अरदासों के सफल होने की आशा के साथ समग्र पर अपने पासपोर्ट दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पास जमा करवाए थे, उनमें से जिनके वीजा लग गए हैं, उन श्रद्धालुओं के पासपोर्ट से कुल 451 आवेदकों के वीजा के आज सौंप दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि विश्व स्तर पर तनावपूर्ण माहौल के बावजूद भी दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए श्रद्धालुओं की यात्रा को सुचारु बनाने के लिए पूरा प्रयास किया। देशभर से लगभग 2840 श्रद्धालुओं को वीजा जारी किए गए हैं, जबकि लगभग 100 ऐसे मामले



सामने आए जिनमें पासपोर्ट संबंधी तकनीकी कठिनाइयों के कारण वीजा जारी नहीं हो सके। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से कुल 451 आवेदकों के वीजा के लिए आवेदन भेजे गए थे, जिनमें से 409 श्रद्धालुओं को वीजा प्राप्त हो चुके हैं। यह यात्रा श्रद्धालुओं को बधाई देते हुए बताया कि 10 अप्रैल,2026 को अटारी से श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान के लिए रवाना होगा, जहां वे बैसाखी के पावन अवसर पर ऐतिहासिक गुरुधामों में नतमस्तक होंगे।

दिल्ली को हरा भरा बनाने की तैयारी सीएम ने 17 विभागों को दी जिम्मेवारी

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी को हरा-भरा बनाने के लिए 17 विभागों को जिम्मेदारी सौंपी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि कुल 17 प्रमुख विभागों को चरणबद्ध रूप

में धनराशि आवंटित की गई है ताकि हर क्षेत्र में समन्वित तरीके से काम हो सके। मुख्यमंत्री के अनुसार ग्रीन बजट का सबसे बड़ा हिस्सा लगभग 6,485 करोड़ रुपये दिल्ली जल बोर्ड को दिया गया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री

रेखा गुप्ता ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए हाल में ग्रीन बजट का व्यापक और संतुलित खाका प्रस्तुत किया था। सरकार की पर्यावरणीय प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

हेड कांस्टेबल संजय वशिष्ठ ने तीन माह में 155 केस निपटाकर मिसाल कायम की

नई दिल्ली 9 अप्रैल (निस) दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल संजय वशिष्ठ ने तीन महीनों में 155 केस निपटाकर मिसाल कायम की। सटीक जांच, समयबद्ध कार्रवाई और साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण से उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। दिल्ली पुलिस के आउटर नॉर्थ जिले में एक हेड कांस्टेबल ने ऐसा काम कर दिखाया है, जो पूरे विभाग के लिए मिसाल बन गया है। 118 संजय कुमार वशिष्ठ को बेस्ट इन्वेस्टिगटिंग ऑफिसर चुना गया, लेकिन सवाल

हैं। आखिर उन्होंने ऐसा क्या किया कि डिपार्टमेंट के लिए मिसाल कायम करते हुए वे सबसे आगे निकल गए? जनवरी से मार्च 2026 के बीच संजय वशिष्ठ ने 155 मामलों का निपटारा किया। यह सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि उनकी तेज, सटीक और साक्ष्य-आधारित जांच का परिणाम है। संजय वशिष्ठ की सफलता के पीछे कई अहम कारण बताए जा रहे हैं। उन्होंने तेज और समयबद्ध जांच कर हर केस को तय समय में खत्म

करने पर फोकस किया। साक्ष्य आधारित जांच के दौरान बिना पुख्ता सबूत के उन्होंने केस को आगे नहीं बढ़ाया। वहीं, पेंडिंग केस पर विशेष ध्यान देते हुए उन्होंने पुराने मामलों को प्राथमिकता देकर तेजी से क्लियर किया। उन्होंने हर केस को अलग रणनीति के साथ हैंडल किया। जो उनकी सफलता और इस अभूतपूर्व प्रदर्शन का कारण बनी। समीक्षा बैठक में सभी थानों और जांच अधिकारियों के काम का बारीकी से आकलन किया गया।

Available **FREE!** at following Platforms

TATA PLAY CH. NO. 1945	Free Dish CH. NO. 340	VIDEOCON d2h CH. NO. 779	airtel digital TV CH. NO. 557
dishtv CH. NO. 1152	in CH. NO. 581	Jio TV	

Available **Worldwide** on

USA sling TELEVISION	dish CH. NO. 748-008	amazon fireTV	YouTube
TikTok	Roku TV	eBaba	SIB
ANGO TV	FREE TV	MOBI	EKON FLIX

Also available on Social Media @

/Chardikla Time TV
 /CK Time TV North America
 /Chardikla Time TV Live
 ceo@cktimetv.com
 www.timetv.news
 www.cktimetv.com